कोटद्वार, गुरूवार
7 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 17 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने किया टीवीके को समर्थन का ऐलान

● डीएमके नाराज, बोली-कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस ने औपचारिक रूप से तमिलगा वेत्री कड़गम और उसके प्रमुख विजय को समर्थन देने का ऐलान किया है। कांग्रेस की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य की जनता ने टीवीके को बहुत स्पष्ट, मजबूत और भारी बहुमत दिया है। इसी को ध्यान में रखते हुए तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधायक दल ने सरकार बनाने में टीवीके का समर्थन करने

का फैसला किया है। टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएमके और एआईएडीएमके जैसे पुराने दलों को कड़ी टक्कर दी है। कांग्रेस ने कहा है कि उसका समर्थन तभी तक रहेगा, जब तक टीवीके किसी भी सांप्रदायिक ताकत को अपने गठबंधन में शामिल नहीं करेगी। पार्टी ने साफ किया कि गठबंधन संविधान में विश्वास रखने वाले दलों के साथ ही होगा। कांग्रेस ने यह भी कहा कि यह गठबंधन सामाजिक न्याय और संविधान के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेगा, जिसमें पेरियार और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचार शामिल हैं। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि यह गठबंधन सिर्फ सरकार बनाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले लोकसभा, राज्यसभा और स्थानीय निकाय चुनावों में भी जारी रहेगा। टीवीके फिलहाल 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटों के साथ सबसे आगे है और बहुमत के आंकड़े से कुछ सीटें कम हैं।

असम में 12 मई को शपथ पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

● हिमंता सरमा ने बताया-कब चुना जाएगा नया सीएम

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और उन्हें इस्तीफा सौंप दिया। फिलहाल वह नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। जानकारी मिल रही है कि नई सरकार का शपथ समारोह 12 मई को होगा और इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम सीनियर नेता मौजूद रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि हिमंत बिस्वा सरमा को ही मुख्यमंत्री का पद मिलने की संभावना है। हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्यपाल से मुलाकात

के बाद एक फिर से राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि असम के लोगों ने हमारी सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने पीएम मोदी के प्रति अपना समर्थन जताया है। जनता चाहती है कि असम में विकास की गंगा बह रही है, वह जारी रहे। असम के सीएम को लेकर जब हिमंत बिस्वा सरमा से पूछा गया तो उन्होंने अपने बारे में कुछ भी नहीं कहा। उनका कहना था कि राज्य में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी। इस मीटिंग में ही असम के नए मुख्यमंत्री का चुनाव किया जाएगा। भाजपा इससे पहले नेतृत्व को लेकर चौंका चुका है।

वंदे मातरम गीत को अब राष्ट्रगान जैसा दर्जा

● कैबिनेट की मंजूरी, जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा ● अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान व राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

● पहले 'राष्ट्रगीत' गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'- अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान' दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें। गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

सरकार ने जारी की गाइड लाइन

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट है।

● **सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए छूट**- साथ ही, मंत्रालय ने सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट प्रदान की है। निर्देश के अनुसार, फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में वंदे मातरम बजाए जाने पर दर्शकों को खड़े होने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से दर्शकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। बजट सत्र के समापन पर संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम के सभी छह अंतरों का पाठ किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने वंदे मातरम को बंगाली अस्मिता और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में पेश किया था। पार्टी ने इसके 150 वर्ष पूरे होने पर राज्यभर में सामूहिक गायन और पदयात्राओं का आयोजन किया। साथ ही, बंकिम चंद्र चटर्जी की विरासत को भी चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठाया गया।

सम्राट कैबिनेट में होगी निशांत कुमार की एंट्री

● विभाग की भी हो रही चर्चा, पटना में बढ़ी सियासी हलचल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में 7 मई का दिन बड़ा बदलाव लेकर आने वाला है। राजधानी पटना के गांधी मैदान में प्रस्तावित सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सत्ता गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सबसे अधिक चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर है। जानकारी के अनुसार, जदयू नेताओं के साथ हुई बैठक में निशांत ने मंत्री पद की जिम्मेदारी स्वीकार करने पर सहमति जता दी है। जानकारी के अनुसार निशांत सरकार का हिस्सा बनने से इनकार कर रहे थे। सीनियर नेताओं के समझाने और मौजूदा सरकार में उनकी अहमियत बताने के बाद वे तैयार हुए। निशांत कुमार के संभावित मंत्रिमंडल में शामिल होने की खबर ने बिहार की राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। इसे जदयू में नई पीढ़ी की एंट्री और पार्टी के भविष्य की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि इसी वजह से 7 मई को प्रस्तावित उनकी सद्भाव यात्रा भी स्थगित कर दी गई है। अब यह यात्रा 9 मई से दोबारा शुरू हो सकती है।

● अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर भी घटाई गई सिक्योरिटी

ममता बनर्जी के आवास के बाहर से हटी सुरक्षा बैरिकेडिंग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद बदलाव की बयार बहनी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जो अपने गढ़ भवानीपुर में भी जीत हासिल नहीं कर पाई, उनके आवास के बाहर से सुरक्षा घेरे को कम कर दिया गया है। सत्ता परिवर्तन के 24 घंटे बाद ही मुख्यमंत्री आवास के आसपास की सड़कों को आम जनता के लिए खोल दिया गया है। यह रास्ते बीते कई वर्षों से सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंधित क्षेत्र थे। कालीघाट स्थित 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर सीएम ममता के आवास तक जाने वाले रास्ते पर वर्षों से मौजूद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तेजी से हटती नजर आई। हाजरा क्रॉसिंग के पास हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर लगी बैरिकेडिंग को हटा दिए गए हैं।

● **जनता के लिए बदलाव त्वरित और अप्रत्याशित**- स्थानीय लोगों के लिए यह बदलाव त्वरित और अप्रत्याशित था। इस संबंध में मुख्यमंत्री के पड़ोसी ने बताया कि पहले हमें धीमा चलना पड़ता था, सवालों के जवाब देने पड़ते थे और आधार कार्ड साथ रखना होता था। हमारे रिश्तेदारों को भी चक्कर लगाकर आना पड़ता था। उन्हें परेशानी ना हो इस वजह से हम अक्सर उनके आने की जानकारी पहले ही पुलिस को दे देते थे। लेकिन अब वो पुलिस यहां हैं ही नहीं। रिपोर्ट के अनुसार हरीश चटर्जी स्ट्रीट को कालीघाट रोड से जोड़ने वाली संकरी गलियां जो लंबे समय से सुरक्षा के नाम पर बंद थीं उन्हें भी खोल दिया गया है। इस बदलाव के बाद वर्षों से बंद पड़े रास्ते फिर खुल गए हैं।

पंजाब में आर्मी कैंप-बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

● डीजीपी बोले-पाक का हाथ, सीएम ने कहा-बीजेपी ने कराए

जालंधर/अमृतसर (एजेंसी)। जालंधर में बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार रात धमाका हुआ। इसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। गनीमत रही कि धमाके में किसी को चोट नहीं लगी। इस ब्लास्ट का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, अमृतसर में आर्मी कैंप के भीतर भी ग्रेनेड अटैक की कोशिश की गई, लेकिन वह दीवार पर टकराकर फट गया। डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने माना कि जालंधर व अमृतसर में आईईडी ब्लास्ट हुए। कहा कि जालंधर में संभव है कि टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया हो। इसमें पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों का हाथ है। ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से धमाके कराए गए हो सकते हैं। वहीं,पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के इलेक्शन की तैयारी हैं।

जालंधर में कूरियर बॉय की एक्टिवा में हुआ ब्लास्ट

जालंधर में बीएसएफ चौक के पास रात 7.57 बजे एक स्कूटी के पास धमाका हुआ। पुलिस जांच में एक संदिग्ध चौक की ओर से रॉन्ग साइड से पैदल आता दिखा। वह सीधे उस स्थान तक पहुंचा, जहां फुटपाथ पर एक्टिवा खड़ी थी। युवक ने पॉलीथिन में लिपटा पैकेट वहां छोड़ा और बस अड्डे की ओर दौड़ लगा दी। इसके कुछ सेकेंड में धमाका हो गया। जिस ऐक्टिवा में धमाका हुआ, वह रिटायर्ड जवान कश्मीर सिंह की है। उसका बेटा गुरप्रीत सिंह पार्सल लेने के लिए आया था। हेलमेट न पहने होने की वजह से जवानों ने उसकी ऐक्टिवा बाहर खड़ी करा दी।

अमृतसर में आर्मी कैंप पर हमले से टीन शेड ढहा

करीब 3 घंटे बाद अमृतसर में आर्मी कैंप खासा के बाहर मंगलवार रात करीब 11 बजे ग्रेनेड अटैक हुआ। अमृतसर रूरल के एसपी सोहेल मीर कासिम के मुताबिक बाइक पर सवार 2 नकाबपोशों ने आर्मी कैंप की तरफ फेंका। दीवार के साथ लगते ही जोरदार धमाका हुआ। धमाके से चारदीवारी पर सेना एरिया को कवर करने के लिए लगाया गया टीन शेड ढह गया। गेट नंबर 6 और 7 के बीच की दीवार को भी थोड़ा नुकसान हुआ है। सीएम मान के बयान पर केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा- रोजाना ब्लास्ट हो रहे हैं। ग्रेनेड फेंके जा रहे हैं। पंजाब के हालात बिगड़े हुए हैं।

जीरो टॉलरेंस से यूपी में निवेश बढ़ा

● योगी बोले-हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में बुधवार को नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 के अंतिम दिन सीएम योगी पहुंचे। उन्होंने कहा- यूपी में जीरो टॉलरेंस की नीति लागू करने के बाद प्रदेश में निवेश और निवेशक बढ़े हैं। उन्होंने कहा- आज हम सामरिक और आंतरिक शक्ति को इसलिए नहीं बढ़ा रहे कि हमें किसी पर आक्रमण करना है। अपितु इसलिए कि हमारी उदारता को कोई हमारी विवशता न समझने की भूल करे। राष्ट्र की समृद्धि के लिए सामर्थ्य हमेशा अनिवार्य है। समृद्धि केवल संसाधनों से नहीं आती है। इसके लिए सुरक्षा, स्थिरता और सामर्थ्य का मजबूत आधार उतना ही आवश्यक होता है। उन्होंने कहा- 2017 में सत्ता संभालने के बाद इन बातों को हम जानते थे। क्योंकि उत्तर प्रदेश की जो छवि थी। पहचान का संकट था। हम लोग इस बात को मानते थे कि हमें अगर सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। तो हमें सुरक्षा का एक बेहतर माहौल बनाना होगा। रूल ऑफ लॉ को जमीन पर उतारना होगा। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस को पूरी सख्ती के साथ लागू करना पड़ा था। आज हम इस बात को मान सकते हैं कि हमने उस

समय जो कानून का राज स्थापित करने का संकल्प लिया। आज उसने उत्तर प्रदेश के इस मॉडल की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। **उदारता हमारा संस्कार और करुणा हमारा स्वभाव**- सीएम योगी ने कहा- अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम॥ ये केवल एक श्लोक नहीं है। संपूर्ण वसुधा को एक परिवार के रूप में अपने साथ जोड़ने और उसके प्रति उदार भाव ये भारतीय संस्कृति की सदैव से प्रेरणा रही है। लेकिन उदारता हमारा संस्कार है।

सरकार के निर्णय पर माफिया हस्तक्षेप नहीं कर सकता

सीएम योगी ने कहा- आज हम कह सकते हैं कि पूरे भारत में यूपी के पास एक बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर है। एक्सप्रेस वे, हाईवे, रेलवे की कनेक्टिविटी, मेट्रो और एयर कनेक्टिविटी के रूप में है। आज सुरक्षा के प्रति सरकार के ध्यान देने का परिणाम ये रहा है कि देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक यूपी के अंदर निवेश करना चाहता है। उन्होंने कहा- आज सुरक्षा का परिणाम क्या है। जब सरकार कोई निर्णय लेती है तो उसे प्रभावी ढंग से समय सीमा के अदंर जमीनी धरातल पर उतरने में देर नहीं लगती। क्योंकि उसमें कोई बाहरी तत्व, गुंडा तत्व और माफिया हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। क्योंकि उसे या तो कारण बताना होगा या उसे पता है कि उसका दुष्परिणाम क्या हो सकता है। यही कारण है कि कानून व्यवस्था में सुधार आज उत्तर प्रदेश के अंदर रक्षा उद्योग के विस्तार में भी हमें मदद किया है। यानी ये दोनों एक ही संकल्प के दो अलग-अलग रूप हैं।

● चिनाब नदी पर भारत के मास्टरट्रोक से तड़प रहा होगा पाकिस्तान

ऑपरेशन सिंदूर की बरसी पर चुल्लू भर पानी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमला के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ कई ऐक्शन लिए थे। 6 मई 2025 की रात भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के मकसद से ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की तरफ बहने वाली नदियों के पानी को रोक दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के सालभर बाद भी भारत ने सिंधु से पानी को पाकिस्तान की तरफ बहाल को रोका हुआ है। **सिंधु जल समझौता पर रोक से बौखलाया पाकिस्तान**- भारत ने पिछले साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रोक दिया था। पाकिस्तान अभी तक सिंधु जल समझौते पर भारत की लगाई रोक से परेशान हो रहा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने भारत पर उकसावे का आरोप लगाया है। डार ने कहा था कि पिछले की घटनाओं ने क्षेत्र को तबाही के कगार पर पहुंचा दिया था।

● **चिनाब नदी पर बने डैम बंद का गेट बंद**- न्यूज एजेंसी एएनआई की तरफ से जारी वीडियो में देखा जा सकता है कि जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी, चिनाब नदी पर बने प्रमुख बांधों से पानी का नियंत्रित बहाव जारी है। सलाला बांध का भी सिर्फ एक गेट खुआ है। यही वजह है कि पाकिस्तान बौखलाया हुआ है।

● **मंत्री ने बांधों को बम से उड़ाने की धमकी दी**- डार ने धमकी दी थी कि पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने या उसका मार्ग बदलने का कोई भी प्रयास युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। डार ने सिंधु जल संधि को एकतरफा रोके जाने के भारत के फैसले पर चिंता जाहिर की और इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के करीबी राणा सनाउल्लाह ने भारतीय बांधों पर हमले की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ आने वाली नदियों के बहाव को रोकने की कोशिश की, तो उसके बांधों को निशाना बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने साढ़े सात लाख से अधिक पेंशनर्स के खाते में भेजी पेंशन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को समाज कल्याण विभाग के पेंशनर्स को वन क्लिक के माध्यम से अप्रैल माह की पेंशन का भुगतान किया। इसमें शत प्रतिशत राज्य पोषित योजनाओं के 756682 पेंशनर्स को कुल 111 करोड़ 82 लाख 52 हजार रुपए की धनराशि जारी की गई, जिसमें वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण पोषण अनुदान, तीलू रौतेली और बौना पेंशन शामिल है। सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार अंत्योदय के लिए समर्पित है, इसलिए सरकार आर्थिक-सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को समाज कल्याण विभाग की पेंशन का लाभ दिलाने के लिए लगातार कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप अब प्रत्येक वर्ष 60 हजार से अधिक नए लोग समाज कल्याण की पेंशन से जुड़ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगे भी इस तरह के बहुउददेशीय कैम्प आयोजित किए जाएं। साथ ही प्रत्येक वर्ष 59 वर्ष की आयु पूरे करने वाले लोगों के बीच सर्वे कर पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्र सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी कर लें, ताकि

60 साल की उम्र पूरी होते ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए वार्षिक आय को व्यावहारिक बनाया जाए, साथ ही पेंशन योजनाओं सहित विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी एक जगह पर उपलब्ध कराने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नवाचार अपनाने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि विभाग समाज कल्याण के क्षेत्र में कुछ बेस्ट प्रैक्टिस कर अन्य विभागों के साथ भी साझा करें। साथ ही कॉल सेंटर के माध्यम से बुजुर्गों और पेंशनर्स से संवाद भी करें।

इस मौके पर विभागीय मंत्री खजान दास ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विभाग, प्रत्येक जरूरतमंद का ख्याल रख रहा है। उन्होंने कहा कि पेंशन योजनाओं में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जा रही है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, निदेशक समाज कल्याण डॉ. संदीप तिवारी, अपर सचिव समाज कल्याण प्रकाश चंद्र एवं समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

57 योजनाओं पर शुरू नहीं हुआ काम, एडीएम खफा

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट में एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में एसडीआरएफ, नॉन–एसडीआरएफ और एसडीएमएफ मदों से स्वीकृत विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की ओर से स्वीकृत 57 योजनाओं पर अब तक कार्य शुरू न होने पर एडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित कार्यों को धरातल पर शुरू करने के निर्देश दिए। कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभाग को कुल 276 कार्य स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 140 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। इस पर एडीएम ने शेष 136 कार्यों को शीघ्र शुरू कर निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में लोनिवि, पीएमजीएवाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

घनसाली और चमियाला में हाइडेंट का प्रस्ताव फाइलों में कैद

नई टिहरी। गर्मियों में आगजनी का खतरा बढ़ जाता है लेकिन जिले का अग्निशमन विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। काम चलाऊ व्यवस्था में सुधार के प्रयास धरातल पर नहीं उतर पा रहे हैं। विभाग की मांग का प्रस्ताव लंबे समय से फाइलों में कैद है। जिला मुख्यालय स्थित फायर स्टेशन के पास पर्याप्त साधन हैं।

हालांकि, लगातार विकसित हो रहे ग्रामीण बाजारों में आगजनी से निपटने के लिए कोई तत्काल व्यवस्था नहीं है। दूर–दराज के बाजारों में घटना होने पर मुख्यालय से ही राहत व बचाव टीम भेजनी पड़ती है। वर्ष 2021–22 में घनसाली में अग्निशमन विभाग की एक यूनिट खोली गई थी लेकिन वहां अभी तक पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और केवल एक फायर हाइडेंट से काम चलाया जा रहा है। संसाधनों की कमीः घनसाली में दो और चमियाला में एक प्रस्तावित हाइडेंट का प्रस्ताव भी फाइलों में अटका है। जिला मुख्यालय में भी त्रैश फायर टेंडर के बदले काम चलाऊव्यवस्था है। उड्डयन विभाग से मिला एक त्रैश फायर टेंडर कोटीकॉलोनी हेलिपैड पर हेली सेवा की सुरक्षा में व्यस्त है। इससे अन्य हेलिपैड की सुरक्षा के लिए सिलिंडर और ड्रम फोम टेंडर का उपयोग करना पड़ता है। लंबगांव, कैंपटी, कंडीसौड़, जाखणीधार और गजा जैसे बड़े बाजारों में कहीं भी हाइडेंट की व्यवस्था नहीं है। आगजनी की घटना से निपटने के लिए विभाग के पास पर्याप्त संसाधन हैं लेकिन घनसाली–चमियाला में हाइडेंट बनाने और त्रैश फायर टेंडर का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

कैपार्स–बासर गांव में एक साल से बंद है शादी समारोह में शराब

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के कैपार्स–बासर गांव में बीते एक वर्ष से शादी–समारोह, मांगलिक और सामाजिक आयोजनों में शराब पर पूरी तरह रोक लगी हुई है। ग्राम पंचायत ने शराब परोसने पर 21 हजार रुपये के अर्थदंड का प्रावधान भी तय किया है जिससे गांव में नशामुक्त वातावरण बना है। ग्राम प्रधान रतन सिंह रावत ने पदभार संभालते ही गांव में शराबबंदी की मुहिम शुरू की थी। उन्होंने ग्रामीणों से नशामुक्ति का संकल्प दिलाकर इसे लागू करने में सामूहिक सहयोग लिया। इस दौरान नशा मुक्ति संगठनों और पुलिस की मदद से गांव में जागरूकता बैठकें भी आयोजित की गई जिसमें शराब के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई ग्राम प्रधान रतन के अनुसार पंचायत स्तर पर होने वाले शादी–समारोह में वह स्वयं मौके पर पहुंचकर निगरानी करते हैं। बीते एक वर्ष में गांव में 10 से अधिक शादियां और कई अन्य मांगलिक कार्यक्रम बिना शराब के संपन्न हो चुके हैं। बताया उप प्रधान योगेंद्र सिंह बिष्ट भी इस मुहिम में सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने आसपास के गांवों से भी इस पहल को अपनाने की अपील की है।

बीमार महिला को तीन किमी डंडी से सड़क तक लाए, पहुंचाया अस्पताल

चमोली। ब्लॉक के बलाण गांव तक सड़क न बनने के कारण ग्रामीणों ने बुधवार को एक बीमार महिला को तीन किलोमीटर पैदल डंडी से सड़क तक और फिर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि गांव के लिए सड़क निर्माणाधीन है। बुधवार को तुलसी देवी (56) की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद गांव के वीरेंद्र कनियाल, महिपाल राम, जय राम, बहादुर राम, सूरज राम, नारायण राम और महाबीर राम ने उन्हें डंडी में बैठाकर तीन किलोमीटर पैदल सड़क तक पहुंचाया। पूर्व उप प्रधान वीरेंद्र कनियाल ने बताया कि तुलसी देवी को सड़क तक लाने के बाद निजी वाहन से देहरादून अस्पताल भेजा गया। गांव में सड़क न होने से गर्भवती महिलाओं और अन्य बीमारों को भी इसी तरह अस्पताल ले जाना पड़ता है। वहीं पीएमजीएसवाई विभाग के अवर अभियंता प्रदीप पंवार ने बताया कि बलाण गांव तक सड़क कटिंग का काम जारी है। इस सड़क के लिए 2.82 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं और करीब 200 मीटर सड़क कटिंग हो चुकी है। जल्द सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा।

नारायणबगड़–किमोली मार्ग खस्ताहाल

चमोली। लोक निर्माण विभाग की अनदेखी के कारण 25 किमी लंबा नारायणबगड़–किमोली मार्ग हादसों को न्योता दे रहा है। बेडूला से किमोली तक डामर उखड़ने और सड़क पथरीली होने से आवागमन जोखिम भरा हो गया है। मार्ग के सभी कॉजवे क्षतिग्रस्त हैं जिससे चिरोना, नैणी, बुआरकोट और किमोली समेत कई गांवों की आबादी को ब्लॉक मुख्यालय आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता संदीप कुमार पटवाल और स्थानीय महेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि यह महत्वपूर्ण मार्ग नारायणबगड़ को गैरसैंण ब्लॉक से जोड़ता है लेकिन विभाग इसके रखरखाव को लेकर गंभीर नहीं है। ग्रामीणों ने सड़क को डेढ़ लेन करने और जल्द डामरीकरण की मांग की। वहीं लोनिवि थराली के ईई रमेश चंद्र का कहना है कि नारायणबगड़–किमोली मार्ग पर डामरीकरण का कार्य होना है। इसके लिए निविदा प्रक्रिया जारी है।

युवती को बदनाम करने के लिए उसके घर नशे की सामग्री से भरा गिफ्ट हैंपर भेजा

देहरादून। बुलंदशहर के एक युवक ने युवती व उसके परिवार को बदनाम करने के लिए उसके घर गांजे व अन्य नशे की सामग्री से भरा गिफ्ट हैंपर भेज दिया। आरोपित इंटरनेट मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर युवती को लगातार परेशान कर रहा है। युवती के पिता रिटायर सूबेदार ने जब इस संबंध में रायपुर थाने में शिकायत दी तो कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने पुलिस महानिदेशक से आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में रिटायर सूबेदार ने बताया कि उनकी पुत्री की उम्र 25 वर्ष है। उसे संदीप नाम का युवक लगातार परेशान कर रहा है। आरोपित निजामपुर, सिकंदराबाद, बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) का निवासी है। पिछले एक वर्ष से वह पुत्री को तरह–तरह के हथकंडे अपनाकर परेशान करता आ रहा है। आरोपित ने उनकी पुत्री को जान से मारने की धमकी दी, जिसकी शिकायत उन्होंने रायपुर व साइबर थाने में दी। शिकायत कराने के बावजूद आरोपित उनकी पुत्री को अभी भी परेशान कर रहा है।

सॉफ्टवेयर बेचने का झांसा देकर ढाई करोड़ रुपये की धोखाधड़ी व डेटा दुरुपयोग का आरोप

देहरादून। सॉफ्टवेयर बेचने का झांसा देकर आइटी पार्क स्थित इंफोमो ग्लोबल लिमिटेड (आइजीएल) प्राइवेट लिमिटेड के साथ कारपोरेट धोखाधड़ी व डेटा दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस मामले में आइजीएल के अंतर्गत इंफोमो डिजिटल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक ने राजपुर थाने में तहरीर दी है। शिकायत में केरल और कर्नाटक के कंपनी सहित पांच आरोपितों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। राघवेंद्र अग्रवाल ने बताया कि इंफोमो डिजिटल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड आइजीएल की सहायक कंपनी है, जबकि वह आइजीएल में निदेशक पद पर तैनात हैं। आरोपित समदीप वर्गीस निवासी वलोन रोड, कोच्चि, केरल, दिलीप रामचंद्र निवासी एलएलआर मार्ग, कुंजिबेट्टु, उडुपी कर्नाटक, संजू पुलियानकलाथ निवासी थेनकुरिसि, पलक्कड़, केरल, हृषिकेश मेनन निवासी मारुथारोड पलक्कड़, केरल ने खुद को एमएन शेट्टी टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड का प्रतिनिधि बताया।

बिना सत्यापन चल रहे 50 ई–रिक्शाओं को किया गया सीज

हरिद्वार। जनपद में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी की ओर से दिए गए निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने बिना सत्यापन संचालित किए जा रहे ई–रिक्शाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। बुधवार को चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान 50 ई–रिक्शाओं को सीज किया गया जिससे ई–रिक्शा संचालकों में अफरा–तफरी मच गई। अभियान का नेतृत्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) निखिल शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जनपद के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों और संवेदनशील यातायात बिंदुओं पर ई–रिक्शाओं की सघन जांच की गई। जांच के दौरान पंजीकरण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, फिटनेस, परमिट सहित जिला प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से निर्धारित सत्यापन मानकों की जांच की गई। विशेष रूप से उन ई–रिक्शाओं पर फोकस किया गया जिन पर निर्धारित क्यूआर कोड स्टीकर नहीं लगे थे।

बहुगुणानगर में आपदा सुरक्षा कार्यों का विरोध, जमकर की नारेबाजी

चमोली। नगर पालिका के बहुगुणानगर के स्थानीय आपदा प्रभावितों ने यहां हो रहे भूधंसाव के ट्रीटमेंट कार्य का विरोध किया। प्रभावितों ने यहां विभाग की मशीनों को काम नहीं करने दिया। साथ ही पहले मुआवजा देने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला फूंका। बहुगुणानगर में करीब चार साल से भूधंसाव हो रहा है। इससे करीब 38 परिवार प्रभावित हैं। यहां सरकार ने सुरक्षा कार्यों के लिए 50 करोड़ स्वीकृत किए हैं। जिस पर बुधवार को निर्माणदायी सिंचाई विभाग के अफसर और संबधित कांट्रेक्टर की मशीनें और श्रमिक यहां पहुंचे। इसकी भनक लगते ही यहां आपदा प्रभावित भी पहुंच गए। आपदा प्रभावित पुष्कर सिंह रावत, सभासद कमला रतूड़ी, पूर्व सभासद हरेंद्र बिष्ट, राखी रावत, सुधीर नेगी आदि का कहना है कि चार साल से लोग दरके घरों में रह रहे हैं। लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया। अब यहां सुरक्षा कार्य हो रहे हैं जबकि उनके घर पूरे क्षतिग्रस्त हैं। ऐसे में पहले उनके क्षतिग्रस्त घरों का मुआवजा दिया जाए। सूचना पर राजस्व निरीक्षक अरविंद कुंवर, उपनिरीक्षक विवेक रावत भी मौके पर पहुंचे और प्रभावितों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन बात नहीं बनी। प्रभावितों ने मंडी

परिसर मुआवजे की मांग को लेकर नारेबाजी की और सरकार का पुतला दहन किया। प्रभावितों ने कहा कि वो सुरक्षा कार्य का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन पहले उनके क्षतिग्रस्त मकानों का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

एक राय नहीं बनने के चलते लटका है मामलाः तहसीलदार सुधा डोभाल ने बताया कि कुछ दिन पहले आपदा प्रभावितों के साथ जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें कुछ प्रभावितों ने मुआवजे की मांग की तो कुछ ने विस्थापन की। ऐसे में आम सहमति नहीं बनने से मामला अटका है। अब सुरक्षा कार्यों को लेकर विरोध किया जा रहा है। इसमें उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आगे कार्रवाई की जाएगी। बहुगुणानगर में करीब 187 मीटर में ड्रिलिंग एवं पाइलिंग सहित अन्य वैज्ञानिक विधि से सुरक्षा कार्य होने हैं। इसके लिए 50 करोड़ की स्वीकृति मिली है।

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से मजदूर की मौत

देहरादून। देहरादून के कांवली रोड क्षेत्र में बुधवार सुबह तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने जमकर हंगामा करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया और पुलिस को शव उठाने नहीं दिया। मृतक की पहचान सकल देव साहनी निवासी सीतामढ़ी, बिहार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मजदूरी करने के लिए बिहार से देहरादून आया था और कांवली गांव में अन्य मजदूर साथियों के साथ रहता था। बुधवार सुबह वह अपने साथियों के साथ लेबर चौक की ओर काम की तलाश में जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शव कब्जे में लेने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी मुआवजे की मांग और डंपर मालिक को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

नंदानगर बाजार में लावारिस कुत्ते ने छह लोगों को काटा

चमोली(। लावारिस कुत्ते ने नंदानगर बाजार में दो बरातियों और अलग–अलग जगहों पर चार लोगों को बुरी तरह काट दिया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी लोगों को जिला अस्पताल गोपेश्वर के लिए रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि कुत्ता पागल हो गया था। बाद में किसी ने कुत्ते को मार डाला। नंदानगर बस स्टेशन पर बुधवार को क्षेत्र में एक बरात जा रही थी। इसी दौरान एक कुत्ते ने बरातियों पर हमला कर दिया। कुत्ते ने चरी गांव निवासी नौरती देवी (45) के हाथ को बुरी तरह काट दिया। महिला को मुश्किल से छुड़ाया गया तो कुत्ते ने मोख मल्ला गांव निवासी बच्ची रितिका (9) के पैर में काट दिया। इससे पहले बाजार में ही कुत्ते ने सैतोली के पूर्व ग्राम प्रधान डबल राम, बिजार निवासी खीम सिंह, सुतोल निवासी विनोद सिंह, सैतोली निवासी सुनीता देवी को भी काटा। सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नंदानगर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल गोपेश्वर के लिए रेफर कर दिया गया।

समाज कल्याण मंत्री ने दी विधानसभा क्षेत्र को 5.80 करोड़ की सौगात

देहरादून। ग्रीष्मकालीन सीजन से पूर्व समाज कल्याण मंत्री खजानदास ने अपने विधानसभा क्षेत्र करनपुर और डालनवाला के वार्डवासियों को 5.80 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का तोहफा दिया। बुधवार को उन्होंने विभिन्न पेयजल और सीवर लाइन निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर क्षेत्रवासियों को राहत दी। इन योजनाओं में सुभाष रोड सिद्धेश्वर मंदिर के समीप नलकूप निर्माण, मोहिनी रोड से इंदर रोड ऊर्ध्व जलाशय तक 710 मीटर राइजिंग मेन पाइपलाइन, वार्ड संख्या 13 से 16 तक 5010 मीटर एचडीपीई पाइपलाइन, बलवीर रोड पर 1050 मीटर पाइपलाइन और ईसी रोड पर सीवर लाइन बिछाने का कार्य शामिल है।

इसके अलावा आराघर और बकरालवाला में भी सीवर लाइन निर्माण कार्य किए जाएंगे। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से पेयजल और सीवर लाइनों के सुधारीकरण की मांग को देखते हुए मंत्री ने शासन से त्वरित स्वीकृति दिलाई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समय पर पूरे हों और गुणवत्ता में कोई कमी न रहे। मंत्री खजानदास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि उनकी पारदर्शी और त्वरित कार्यशैली के कारण ही विकास कार्य समय पर पूरे हो रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री स्वयं योजनाओं की गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखते हैं। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

मकान की छत पर गिरी कार, चालक की मौत

अल्मोड़ा। रानीखेत–चौबटिया मार्ग पर बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई। अनियंत्रित वैगनआर कार सड़क से नीचे एक मकान की छत पर जा गिरी। हादसे में मकान को भी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार बुधवार तड़के करीब 3:15 बजे ग्राम देहोली, पोस्ट चौबटिया के पास वैगनआर कार संख्या यूके02–टीए–3159 अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 20 मीटर नीचे स्थित लाल सिंह के मकान की छत पर जा गिरी। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। हादसे के समय कार में चालक भुवन प्रसाद पुत्र गोपाल राम निवासी ग्राम मटेला, काफलीगैर जिला बागेश्वर अकेला सवार था। बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक वाहन से बाहर छिटककर पत्थर की छत पर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने और अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की उम्र 32 वर्ष बताई गई है। बताया गया कि भुवन प्रसाद पेशे से

टैक्सी चालक था। वह मंगलवार शाम को बागेश्वर से एक बारात लेकर ताड़ीखेत ब्लॉक के शिवाली गांव आया था। बुधवार तड़के लौटते समय देहोली के पास तीखे मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खोने के कारण हादसा हो गया। हादसे के समय मकान के भीतर परिवार के सदस्य सो रहे थे। अचानक तेज आवाज होने पर उन्हें पहले प्राकृतिक आपदा का अंदेशा हुआ, लेकिन बाहर निकलने पर उन्होंने मकान की छत पर कार गिरी देखी। हादसे में मकान को भी नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलने पर चौबटिया चौकी प्रभारी राजकुमार और एसआई फिरोज खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रानीखेत चिकित्सालय भेज दिया है।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

रुद्रप्रयाग। प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ उत्तराखंड ने टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखने समेत 13 सूत्री मांगों का समाधान न होने पर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू कर दिया है। शिक्षक मांगों के लिए बांह पर काला फीता बांधकर अध्यापन कार्य कर रहे हैं। संघ के जिला अध्यक्ष लखपत सिंह लिंगवाल ने बताया कि आंदोलन के पहले चरण में 1 से 10 मई तक शिक्षक शिक्षण कार्य के साथ काला फीता बांधकर विरोध जता रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पोस्टकार्ड व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से पत्र भेजे जा रहे हैं। दूसरे चरण में 12 मई को ब्लॉक स्तर पर शिक्षक उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजेंगे। तीसरे चरण में 18 मई को जनपद स्तर पर विशाल हुंकार रैली निकाली जाएगी और प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को मांगपत्र सौंपा जाएगा। 29 मई को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय पर धरना और 8 जून को देहरादून में प्रदेशव्यापी गर्जना रैली निकाली जाएगी जो पवेलियन ग्राउंड से सचिवालय तक निकलेगी। संघ के जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री डॉ. राधेलाल उत्तरांचली ने चेतावनी दी यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

गौरीकुंड में 100 व सोनप्रयाग में पहुंच रही ओपीडी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के विभिन्न यात्रा पड़ावों फाटा, सोनप्रयाग, गौरीकुंड व त्रियुगीनारायण के प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्रों में प्रतिदिन सैकड़ों ओपीडी हो रही हैं। गौरीकुंड स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन सौ के करीब इमरजेंसी और ओपीडी हो रही हैं।

यहां पर पैरामेडिकल के सभी पदों पर कर्मी के साथ एक चिकित्सक की भी तैनाती है। सोनप्रयाग में प्रतिदिन इमरजेंसी और ओपीडी करीब 300 करीब है। सोनप्रयाग में चार चिकित्साधिकारी तैनात है साथ ही एक जनरल विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का इलाज कर रहे हैं। साथ ही यहां 16 पैरा मेडिकल मेडिकल स्टाफ भी है। फाटा उपकेंद्र स्थायी है। यहां 13 लोगों की पैरामेडिकल टीम भी तैनात है। त्रियुगीनारायण में प्रतिदिन 25 से 30 मरीजों की ओपीडी है। यहां चिकित्सक नहीं हैं और स्टाफ मरीजों की देखभाल कर रहा है। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश ने बताया कि इस बार यात्रा काल से सभी उप केंद्रों में दवा के साथ ही चिकित्सकों और पैरामेडिकल की टीम को तैनात किया है। सोनप्रयाग में मरीजों के लिए चार बेड की व्यवस्था है।

पुलिस ने बिछुड़ों को परिजनों से मिलाया

चमोली। श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ के कारण बदरीनाथ धाम में कई बार बच्चे परिवार से बिछुड़ जा रहे हैं। पुलिस सक्रियता दिखाते हुए ऐसे बच्चों को उनके परिजनों से मिलवा रही है। बदरीनाथ थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार को ऐसे करीब पांच मामले सामने आए। कर्नाटक निवासी नरसिंह हैबर परिवार से बिछुड़ गए। पुलिस कांस्टेबल सरदार व आदर्श रमोला ने तेजी दिखाते हुए नरसिंह हैबर को ढूंढ निकाला। गाजियाबाद निवासी नीलम गुप्ता मंदिर परिसर में परिजनों से बिछुड़ गईं। कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह ने काफी प्रयास के बाद महिला को ढूंढ लिया। दिल्ली निवासी मुकुल सिंघल (15) परिवार से बिछुड़ गया। कंट्रोल रूम ने सूचना मिलने के बाद बालक को खोजकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

घूमेटीधार के पास खड़ी कार में लगी आग, शॉर्ट सर्किट बना कारण

नई टिहरी। टिहरी में घूमेटीधार के पास एक वाहन में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, चालक खुर्शीद (निवासी मंगलौर, हरिद्वार) गंगोत्री–यमुनोत्री से यात्रियों को लेकर केदारनाथ जा रहा था, लेकिन घनसाली में वाहन में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद यात्रियों को दूसरी गाड़ी से भेज दिया गया और वाहन को ठीक कराने के लिए चंबा ले जाया जा रहा था। घूमेटीधार के पास पिकअप चालक के वाहन ले जाने से मना करने पर गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर दी गई।

इसी दौरान करीब 2:15 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण वाहन में आग लग गई। चालक उस समय वाहन से बाहर था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग बुझाकर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

नियमों की अनदेखी, सड़क पर चल रहे गैराज

शहर में नियमों के विरुद्ध सड़क पर संचालित हो रहे है अधिकांश गैराज लगातार बढ़ रही अव्यवस्था के कारण पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

कोटद्वार की सड़कों पर वाहन मरम्मत का कार्य करते मैकेनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में नियमों के विरुद्ध सड़क पर संचालित हो रहे गैराज शहरवासियों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। ऐसे में कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। शादी व त्योहार सीजन में तो लोगों का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। जबकि, इस संबंध में कई बार लोग जिम्मेदार अधिकारियों से भी शिकायत कर चुके हैं।

कोटद्वार की सड़कों पर करीब 70 से अधिक गैराज संचालित हो रहे हैं। इसमें से अधिकांश गैराज तो राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही संचालित हो रहे हैं। गैराज में मरम्मत के लिए आने वाले वाहनों को सड़क पर खड़ा किया जाता है। साथ ही सड़क पर ही मरम्मत का कार्य भी किया जाता है। जिससे पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही पैदल चलने वालों को भी दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति पटेल मार्ग व सिताबपुर-मानपुर मार्ग पर बनी रहती है। जबकि, शहरवासी गैराज की व्यवस्थाओं को सुधारने की भी मांग उठा चुके हैं।

पूर्व में बनी थी यह योजना

एक दशक पहले तत्कालीन नगर पालिका ने सड़क किनारे संचालित हो रहे गैराज को मोटर नगर स्थित खाली दुकानों में शिफ्ट करने की व्यवस्था बनाई थी। उम्मीद थी कि इस योजना से गैराज संचालकों को भी एक स्थान मिल जाएगा और यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। नगर पालिका ने लाखों की लागत से मोटर नगर में गैराज भी बनाए। लेकिन, सड़क किनारे चल रहे गैराज आज भी आमजन के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। उधर, मोटर नगर में गैराज के लिए चिह्नित दुकानें आज भी बंद पड़ी हैं।

चरस तस्कर को कोटद्वार पुलिस ने हल्द्वानी से किया गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : चरस तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को कोटद्वार पुलिस ने हल्द्वानी से गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। पकड़ा गया आरोपी वाहन चालक है। जो बागेश्वर घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों को चरस बेचता था।

पुलिस ने बताया कि मामले में इसी वर्ष मार्च माह में पुलिस ने 2.9 किलोग्राम चरस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में युवक ने अपने गैंग से जुड़े कई अन्य लोगों के नाम खोले थे। जिसके तहत पुलिस ने बागेश्वर जिला कपकोट निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। युवक बागेश्वर क्षेत्र में पर्यटकों को पिंडारी ग्लेशियर ट्रेकिंग के लिए लेकर जाता है। इस दौरान व ट्रेकिंग पर आने वाले पर्यटकों को चरस भी सप्लाई करता था। बताया कि पूर्व में गिफ्तार दलजीत सिंह ने भी इसी व्यक्ति से चरस खरीदी थी। दलजीत इसे कोटद्वार में युवकों को महंगे दामों में बेचना चाहता था। इसके बाद पुलिस पूरे नेटवर्क की तलाश में जुट गई। इसी के तहत पुलिस ने बागेश्वर जिला कपकोट निवासी खिलाप सिंह दानू को गिरफ्तार किया। युवक वाहन चालक है और बागेश्वर क्षेत्र में घूमने के लिए पहुंचने वाले पर्यटकों को चसर सप्लाई करता था।

बाल विवाह व बाल श्रम के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला बाल संरक्षण इकाई व जिला बाल कल्याण समिति की ओर से विद्यार्थियों को बाल श्रम व बाल विवाह के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई। कहा कि सामाजिक बुराईयों के खिलाफ हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

आर्य कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 250 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को बाल विवाह निषेध, पोक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम, बाल अधिकारों व चाईल्ड हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी संदीप बिष्ट ने छात्राओं से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कानून, सुरक्षा व उनके अधिकारों के बारे में बताया। कहा कि विद्यार्थियों को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम शिव पाल तथा जन्मतिथि 22/07/2022 दर्ज है। जन्म प्रमाण पत्र संख्या B-2022: 5-9033-002179, पंजीकरण दिनांक 25/08/2022 एवं जारी करने की तिथि 06/11/2023 है तथा जिसमें मेरा नाम शुभम पाल तथा मेरी पत्नी का नाम निधि है। मैंने निजी कारणों से अपने पुत्र का नाम अक्षत पाल कर दिया है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम अक्षत पाल दर्ज कर ऑनलाईन जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

शुभम पाल पुत्र श्री राम अवतार पाल निवासी ग्राम बलभद्रपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0512/21)

छावनी परिषद् लैन्सडौन

द्वितीय निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् लैन्सडौन द्वारा स्वीकृत तिथि से 05 वर्ष हेतु लैन्सडौन छावनी की दुकान सं0 06 (हेयर कटिंग/सैलून), सर्वे सं0 202 में स्थित शॉपिंग काम्पलेक्स में हिमांचल फार्मेसी के मध्य, चलाने हेतु मासिक लाईसेन्स शुल्क के आधार पर 05 वर्षों हेतु सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनाँक 26/05/2026 को समय 15:00 बजे टेण्डर बाक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिन समय 15:30 बजे खोली जाएगी। निविदा फार्म दिनांक 25/05/2026 तक समय 17:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है साथ ही अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 25/05/2026 तक सम्पर्क किया जा सकता है।

पंत्राक 2000/दु0स0/छा0प0

कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन — मुख्य अधिशासी अधिकारी

दिनॉक मई 2026 — छावनी परिषद् लैन्सडौन

दो दिवसीय वार्षिक समारोह का पुरस्कार वितरण के साथ समापन

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में कला संकाय का दबदबा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार मे दो दिवसीय वार्षिक समारोह का आज पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। इस दो दिवसीय आयोजन में छात्र छात्राओं के बीच ना केवल प्रतिष्पर्धा की भावना जगाई बल्कि उनकी सांस्कृतिक प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष (राज्य मंत्री उत्तराखण्ड शासन)राजेन्द्र अणथ्वाल एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० डी. एस. नेगी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का अभिनन्दन किया गया । अपने उद्बोधन मे मुख्य अतिथि डा० राजेन्द्र अन्थवाल ने छात्र छात्राओं सम्बोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक शैक्षिणिक वातावरण ही देश के उज्वल भविष्य की नींव रखता है । उन्होंने सभी विजेता प्रतिभागियों को उनके कठिन परिश्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की प्राचार्य प्रो० डी एस नेगी ने बताया की इस वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक छात्र छात्राओं ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। एकल गायन सुगम संगीत मे प्रथम स्थान कलासंकाय द्वितीय विज्ञान संकाय तृतीय शिक्षा संकाय लोक गीत में प्रथम कलासंकाय द्वितीय वाणिज्य तृतीय शिक्षा एकांकी नाटक में प्रथम कलासंकाय द्वितीय वाणिज्य तृतीय विज्ञान एकल नृत्य में प्रथम कलासंकाय, द्वितीय शिक्षा, तृतीय विज्ञान लोक नृत्य में प्रथम शिक्षा संकाय, द्वितीय कला, तृतीय वाणिज्य कब्वाली प्रतियोगिता में प्रथम कला संकाय, द्वितीय शिक्षा ,तृतीय वाणिज्य एवं एकल नृत्य (छात्र) में प्रथम कला संकाय ,द्वितीय विज्ञान ,तृतीय शिक्षा संकाय रहे। चलबैजयन्ती ट्राफी कला संकाय ने प्राप्त की। इस वर्ष अन्तर सांस्कृतिक प्रतियोगिता मे कला संकाय प्रथम शिक्षा संकाय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय सयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे । समारोह में अकादमिक गतिविधियों मे उत्क्रीष्ट प्रदर्शन करने मेधावियों को ट्राफी पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जुनीष कुमार , डॉ० रोशनी असवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । कार्यक्रम मे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण ,शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र संघ के पदाधिकारी और भारी संख्या में छात्र

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी एकेश्वर गढवाल

पत्रांक 201 /2-लेखा/आपदा/विज्ञप्ति / 2026-27 दिनांक 06 मई 2026

विज्ञप्ति

जिलाधिकारी गढ़वाल के पत्र संख्या आर-12/378/13-मु0रा0 ले0 (दै0आ0)/2025-26 दिनांक पौड़ी 13 मार्च 2026 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों की मरम्मत / पुर्ननिर्माण हेतु धनराशि प्राप्त होने के उपरान्त इस कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से (ठेकेदार द्वारा वर्ष 2026-26 में टैक्स जमा कर दिया हो) निम्नलिखित क्षतिग्रस्त मरम्मत कार्यों हेतु निविदायें दिनांक 20-05-2026 के दोपहर 1 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 20-05-2026 को ठेकेदार या उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख दोपहर 2 बजे से खोल दी जायेगी। निविदा फॉर्म के साथ रू0 100/- का स्टाम्प पेपर, स्वीकृत धनराशि का 2 प्रतिशत की धनराशि सी0डी0आर0 के रूप में जो कि खण्ड विकास अधिकारी एकेश्वर के नाम बन्धक हो तथा टैक्स जमा का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना आवश्यक है। अन्यथा की स्थिति में निविदा फॉर्म निरस्त समझा जायेगा। क्षतिग्रस्त मरम्मत कार्य 30 दिन के अन्दर पूर्ण करना आवश्यक है। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

क्रं0 सं0	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि लाख में	निविदाफार्म का मूल्य जीएसटी सहित पूर्ण रू0 में
1	ग्राम पंचायत छामा बडा में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग का पुनर्निर्माण	1.80	590.00
2	ग्राम पंचायत बडेथ मल्ला में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग का पुनर्निर्माण	1.00	590.00
3	ग्राम पंचायत भदमोली के ग्राम टोपरिया में क्षतिग्रस्त पुस्ता निर्माण कार्य	1.80	590.00
4	ग्राम पंचायत बडेथ मल्ला में सतेन्द्र पाल के घर के समीप क्षतिग्रस्त पुस्ते का पुनर्निर्माण कार्य	1.70	590.00
5	ग्राम पंचायत गुराड मल्ला के क्षतिग्रस्त सार्वजनिक आम रास्ते का पुनर्निर्माण	1.20	590.00
6	ग्राम पंचायत ग्वाड मल्ला में नीलकान्त के घर के समीप क्षतिग्रस्त पुस्ता एवं रास्ते का निर्माण कार्य	1.10	590.00
7	ग्राम पंचायत गुराड मल्ला में क्षतिग्रस्त प्राकृतिक पेयजल स्त्रोत का पुनर्निर्माण	1.80	590.00
8	ग्राम पंचायत तछवाड के बौन्साली गांव में सडक पुस्ता निर्माण	1.80	590.00
9	ग्राम पंचायत ग्वाड मल्ला के मंज्याडी मल्ली में कलावती के घर के पास क्षतिग्रस्त रास्ता एवं कमला देवी के घर के पास क्षतिग्रस्त पुस्ते का पुनर्निर्माण कार्य	1.00	590.00
10	ग्राम पंचायत रिंगवाडी में सुरेश चन्द्र एवं प्रवेन्द्र सिंह के घर के पास क्षतिग्रस्त पुस्ते का पुनर्निर्माण	0.85	590.00
11	ग्राम पंचायत कोटा के ग्राम पीपली में गांव के क्षतिग्रस्त आम रास्ता / पुस्ता पुनर्निर्माण	1.80	590.00
12	ग्राम मलेथा में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ते का पुनर्निर्माण कार्य	1.60	590.00
13	ग्राम ग्वाड मल्ला के मजियाडी मल्ली में सडक के क्षतिग्रस्त पुस्ते का पुनर्निर्माण	1.50	590.00
14	ग्राम सगवाडा में अनु0बस्ती जाने वाले क्षतिग्रस्त मार्ग एवं पुस्ते का पुनर्निर्माण	1.00	590.00
15	ग्राम पांथर में सडक से साटधार जाने वाले क्षतिग्रस्त रास्ते एवं पुस्ता निर्माण	1.90	590.00
16	ग्राम बमोली में राकेश के घर के समीप क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग एवं पुस्ते का निर्माण	1.40	590.00
17	ग्राम गजेरा में टैंक के पास क्षतिग्रस्त आम रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.85	590.00
18	ग्राम बडोली में मनवर सिंह के घर के समीप क्षतिग्रस्त मार्ग एवं पुस्ता निर्माण	0.70	590.00
19	ग्राम कोटा में हरिबल्लभ के घर से चक्की जाने वाले क्षतिग्रस्त मार्ग एवं पुस्ते का निर्माण कार्य	1.10	590.00
20	ग्राम बमोली में महेन्द्र सिंह के घर के समीप क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.10	590.00
21	ग्राम सभा नौगांव पांथर के गाम मवाणा में सडक से गांव के लिये जाने वाले क्षतिग्रस्त मार्ग का निर्माण	1.80	590.00
22	ग्राम पंचायत मनकोट के मलथाण तोक में क्षतिग्रस्त मार्ग एवं पुस्ते का निर्माण	1.80	590.00
23	नौगांव में शिशु मन्दिर स्कूल के निकट क्षतिग्रस्त पुस्ते का निर्माण	1.90	590.00
24	ग्राम संगलाकोटी में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.80	590.00
25	ग्राम रणस्वा में सुधीर सिंह के घर के पास क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता / पुस्ता निर्माण	1.50	590.00
26	ग्राम सिरूडा में सड़क से गांव जाने वाले क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग का पुस्ता निर्माण	1.30	590.00
27	ग्राम सिरूड में पयेजल टैंक के समीप क्षतिग्रस्त सार्वजनिक पुस्ता निर्माण	1.90	590.00
28	ग्राम धरासू में बलबीर सिंह के घर के पास क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता पुस्ता निर्माण	1.40	590.00
29	ग्राम पंचायत तछवाड के पवांर गांव में सार्वजनिक क्षतिग्रस्त पुस्ता का पुनर्निर्माण	1.80	590.00
30	ग्राम बोसाल में मला में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता व पुस्ता निर्माण	1.85	590.00
31	ग्राम भैडगांव में ग्राम सभा के क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता व पुस्ता निर्माण	1.80	590.00
32	ग्राम कुरख्याल में ग्राम सभा के क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग का मरम्मत कार्य	1.70	590.00
33	ग्राम काण्डई में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता व पुस्ता निर्माण	1.90	590.00
34	ग्राम बैलोडी में कुलदीप के घर से सडक तक क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग पर पुस्ता व सी0सी0 निर्माण	1.50	590.00
35	ग्राम बैलोडी में जगमोहन के घर से मुख्य मार्ग तक क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता पुस्ता व सी0सी0 निर्माण	1.70	590.00
36	ग्राम बिन्जोली में शशि प्रसाद के घर से सन्तोष सिंह के घर तक क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता पुस्ता व सी0सी0 निर्माण	1.50	590.00
37	ग्राम बिन्जोली में चितरंजन के घर से मुख्य मार्ग तक सार्वजनिक रास्ता पुस्ता निर्माण	1.40	590.00
38	ग्राम सिरूडा में सोहन सिंह के घर के पास क्षतिग्रस्त रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.80	590.00
39	ग्राम सुन्ना में सुरेन्द्र सिंह के घर के पास क्षतिग्रस्त रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.60	590.00
40	ग्राम सालकोट में क्षतिग्रस्त सार्वजनिक मार्ग का निर्माण	1.80	590.00
41	ग्राम किमोली मल्ली मन्दिर के पास क्षतिग्रस्त सार्वजनिक रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.70	590.00.
42	ग्राम ईडा में सडक से गांव जाने वाले सार्वजनिक रास्ता एवं पुस्ता निर्माण	1.80	590.00

खण्ड विकास अधिकारी
विकासखण्ड एकेश्वर।

(0152/21)

थानाध्यक्ष व पुलिस कर्मियों पर मुकदमा करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सतपुली युवक के मौत के मामले में हिमालय क्रांति पार्टी ने पदाधिकारियों ने एसएसपी को ज्ञापन दिया। उन्होंने थानाध्यक्ष व पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। चेतावनी दी कि एसएसपी नियमित रूप से मुख्यालय नहीं बैठे और आरोपी थानाध्यक्ष व पुलिस कर्मियों पर एक हफ्ते में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी।

प्रदेश महासचिव डॉ. दिनेश सिंह बिष्ट की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने कहा कि पुलिस के उत्पीड़न से तंग आकर युवक ने जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक ने सोशल मीडिया पर डाले अपने सुसाइड नोट में सतपुली पुलिस पर नियम विरुद्ध बाइक सीज करने, मारने, थाने में परिजनों के सामने जलील करने, गाली-गलौज करने आदि गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने मुख्यालय में एसएसपी के नादारद रहने पर नाराजगी जताई। एसएसपी यमकेश्वश्वर में कैंप कार्यालय बनाकर वहीं से कामकाज संचालित कर रहे हैं। इससे मुख्यालय पहुंचने वाले फरियादियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आईजी गढ़वाल ने दिया निष्पक्ष जांच का आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सतपुली के निकटवर्ती गांव रैतपुर निवासी मृतक पंकज कुमार के मामले में आईजी गढ़वाल ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। कहा कि मामले की जांच जारी है, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बता दें बीते दो अप्रैल को रैतपुर गांव के निवासी पंकज कुमार (21) ने विकासखंड जयहरीखाल के भिताड़ा पुल पर दुपट्टे का फंदा लगाकर जान दे दी थी। बुधवार को पौड़ी पहुंचे आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने कहा कि एएसपी कोटद्वार को मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। किन हालातों में यह घटना हुई इसकी गहनता से जांच की जाएगी। मामले में कही भी कोई लापरवाही हुई है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। जांच प्रभावित न हो इसके लिए सतपुली के तत्कालीन थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा आटोमेटिक वेंडिंग मशीन के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 26.05.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 1513/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित **निविदा संख्या– 01/2026–27 एवं 02/2026–27** जोकि दिनांक– 05/05/2026 को खोली जानी थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं को क्रय करने की तिथि को दिनांक– 13/05/2026 को पूर्वाहन् 11:30 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराहन् 15:30 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

पत्रांक : 145/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 05.05.2026 — अधिशासी अभियन्ता, वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 23.05.2026 को 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 23.05.2026 समय प्रातः 11.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
05/2026–27	रू0 295/–	वि०वि० उपखण्ड– स्यूँसी के अन्तर्गत जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने एवं लम्बे स्पानों के मध्य अतिरिक्त विद्युत पोल लगाये जाने का कार्य।	20000.00

पत्रांक : 155/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 06.05.2026 — अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

वोट के आंकड़ों पर संदेह

एक तरफ भारतीय जनता पार्टी अब शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी कर रही तो वहीं दूसरी ओर भाजपा की इस प्रचंड जीत पर विपक्ष के सवालों की झड़ी समाप्त होती नजर नहीं आ रही है। विपक्ष अभी भी भाजपा की इस जीत को पचा नहीं पा रहा है और एसआईआर से लेकर आंकड़ों तक में सवाल खड़े किए जा रहे हैं। वैसे आंकड़ों पर नजर डाला जाए तो बंगाल में बीजेपी और टीएमसी के बीच वोट प्रतिशत में 5 फीसदी का फर्क है.लेकिन सीटों में लगभग 127 का फर्क है। निश्चित तौर पर यह बात चौंकाती है कि क्या 5 प्रतिशत के स्विंग से सीटों पर इतने बड़े अंतर का फर्क हो सकता है?यह बहुत चौंकाने वाला तथ्य है ऐसा हरियाणा विधानसभा चुनावों में देखा गया था। अब अगर इस अंतर को दोनों पार्टियों को मिले कुल वोट के संदर्भ में देखा जाये तो अंतर आता है 32 लाख का। दूसरे शब्दों में 32 लाख वोट के अंतर ने 127 सीटों का फर्क पैदा किया। नई व्यवस्था के तहत इस बार बंगाल चुनाव में एसआईआर में 27 लाख वोट काटे गये और 5 लाख नये वोटर जोड़े गये। विपक्ष ने इस आंकड़े पर भी सवाल खड़े किए हैं। अब नजर दुदाई जाए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम में भाजपा और टीएमसी से अलग अन्य" के प्रदर्शन पर। चुनाव आयोग के मुताबिक बंगाल चुनाव में अन्य को 27 लाख से ऊअर वोट मिले हैं, तो अब फिरसवाल ही खड़ा होता है कि ये अन्य कौन हैं? चुनाव विश्लेषक और बीजेपी समर्थक मानते हैं कि चुनाव में बहुत ध्रुवीकरण हुआ तभी 5 प्रतिशत का स्विंग हुआ तभी टीएमसी 80 सीटों पर सिमट गई और बीजेपी 207 तक चली गई। सवाल है कि अगर इतना ध्रुवीकरण था तो 27 लाख वोट अन्य को कैसे मिल गये? बीजेपी और टीएमसी के बीच 32 लाख वोट का फर्क है। अब चूंकि आंकड़े बताते हैं कि बीजेपी की सीट कम नहीं हुई तो यह माना का सकता है कि 27 लाख वोट जो अन्य को मिले हैं उनमें से ज्यादातर टीएमसी के ही थे। अब यहां विपक्ष के सवालों पर भी एक तरफ विश्वास किया जा सकता है कि या तो ध्रुवीकरण की थ्योरी गलत है या तो 27 लाख अन्य को मिलने वाला वोट किसी फर्जीवाड़े का नतीजा है और पश्चिम बंगाल के चुनाव में बड़ा खेल खेला गया है। हालांकि भाजपा की अन्य राज्यों में अब से पूर्व की प्रचंड जीतों पर भी सवाल विपक्ष की ओर से खड़े किए जाते रहे हैं, लेकिन उनमें ना तो कभी अधिक कोई दम नजर आया और ना ही विपक्ष ऐसा कोई ठोस पक्ष ही सामने रख पाया जो उसके आरोपों पर खरे उतरते हो। हालांकि इस सबके बावजूद पश्चिम बंगाल भाजपा के पक्ष में 207 का आंकड़ा काफी अचंभित करता है। असम में भाजपा के पक्ष में महौल था केरल में कांग्रेस के पक्ष में महौल था लेकिन बंगाल में आखिरी समय भी ऐसा कुछ नहीं था कि ऐसी प्रचंड जीत हासिल होगी। अब यहां भी देश में चुनाव की ईमानदारी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवालिया प्रश्नचिन्ह विपक्ष द्वारा लगाया जा रहा है, लेकिन इससे हासिल क्या होगा?

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी

कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

तेल कंपनियों का रिकॉर्ड मुनाफा और उपभोक्ताओं पर बढ़ता बोझ

कांतिलाल मांडोत

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा।

हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है।

2026 की शुरूआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गईं। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है।

सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है।

भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियों और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चितौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मदेनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत ह्यहिंदू वोट बैंकह्ल तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार

जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। 'जय श्री राम' के साथ 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में खसरे का कोहराम : अब तक 294 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप एक भयावह महामारी का रूप ले चुका है। पिछले कुछ दिनों में खसरे और इसके जैसे लक्षणों के कारण 10 और बच्चों की मौत हो गई है, जिसके बाद देश में मरने वाले बच्चों की कुल संख्या 294 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आंकड़ों के हवाले से बताया गया है कि शनिवार से रविवार सुबह के बीच मात्र 24 घंटों के दौरान खसरे से हुई मौतों का आंकड़ा 50 तक पहुंच गया। जिसने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साइंस एडवाइजर की रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट की मुख्य वजह जुलाई 2024 के राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के बाद शुरू हुई वैक्सीन की खरीद में बहुत बड़ी रुकावट है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के 18 महीनों के कार्यकाल के दौरान देश का पूरा वैक्सीनेशन कवरेज सिस्टम अस्त-व्यस्त हो गया। सबसे बड़ा बदलाव सितंबर 2025 में देखा गया जब अंतरिम सरकार ने यूनिसेफ के माध्यम से वैक्सीन खरीदने की पुरानी प्रक्रिया को बंद कर दिया और इसकी जगह 'ओपन टेंडर सिस्टम' अपना लिया। इस नई खरीद प्रक्रिया के कारण वैक्सीन की आपूर्ति में देरी हुई और देश भर में टीकाकरण दर में भारी गिरावट आई है। खसरे का संक्रमण ढाका, बारिशाल, चटगांव, खुलना और सिलहट जैसे प्रमुख डिवीजनों में फैल चुका है। विशेष रूप से बंदरबन जिले के अलीकादम जैसे पहाड़ी और दूर-दराज के इलाकों में स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। वहां बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं और वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण अपने बच्चों का इलाज स्थानीय नुस्खों और हर्बल दवाओं से करने को मजबूर हैं। अब तक देश में खसरे के 5,313 मामले सामने आ चुके हैं जबकि संदिग्धों की संख्या 40,491 के पार पहुंच गई है। हालात बिगड़ते देख विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत टीकाकरण नहीं बढ़ाया गया तो यह बीमारी और तेजी से फैलेगी। इसी बीच, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि इसे आधिकारिक तौर पर हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया जाए। उनका कहना है कि हालात पहले से ही गंभीर हैं इसलिए सरकार को इसे आपातकाल घोषित करने में अब देरी नहीं करनी चाहिए।

यूक्रेन के मेरेफा पर रूस का मिसाइल हमला, फ्रंट लाइन से दूर रिहायशी इलाकों में मची तबाही ; कई लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। सोमवार को रूस ने यूक्रेन के खार्किव इलाके में स्थित मेरेफा शहर पर जोरदार मिसाइल हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 5 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह शहर युद्ध के फ्रंट लाइन से काफी दूर है, फिर भी वहां आम लोगों की इमारतों और सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इलाके के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि रूस के इस हमले से शहर में काफी तबाही हुई है। मिसाइल गिरने से 10 घर, एक सरकारी दफ्तर, 4 दुकानें, एक गैराज और एक रेस्टोरेंट पूरी तरह या कुछ हद तक खत्म हो गए हैं। गवर्नर ने कहा कि रूसी सेना ने दिन के उजाले में जानबूझकर उन जगहों को निशाना बनाया जहां आम लोग रहते हैं जबकि यह इलाका युद्ध के मुख्य मैदान से काफी दूर और सुरक्षित माना जाता था। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई है। जिनमें दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, 18 अन्य लोग घायल हुए हैं। जिनमें से चार की स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों की शुरुआती जांच के अनुसार, इस हमले में इस्कंदर बैलिस्टिक मिसाइल का प्रयोग किया गया था। हमले के बाद राहत और बचाव टीम ने जो तस्वीरें जारी की हैं वे दिल दहला देने वाली हैं। उनमें देखा जा सकता है कि धमाके से इमारतों की छतें उड़ गई हैं और खिड़कियां चकनाचूर हो गई हैं। बचावकर्मी मौके पर ही घायल और खून से लथपथ लोगों की मदद और उनका इलाज करने में जुटे हैं।

राजदूत क्वात्रा ने पेन्सिलवेनिया के गवर्नर से की मुलाकात, आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

पेन्सिलवेनिया, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो से मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक व तकनीकी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। गवर्नर शापिरो ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वे निवेश बढ़ाने, प्रतिभा के अवसरों का विस्तार करने और दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए अच्छे रोजगार बनाने के लिए साथ काम जारी रखने को उत्सुक हैं। वहीं, भारतीय दूतावास के अनुसार, क्वात्रा ने भारत में बुनियादी ढांचे, डिजिटल और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) में तेजी से हो रहे बदलावों की जानकारी दी और पेनसिल्वेनिया में भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए शापिरो का धन्यवाद किया।

होर्मुज में भीषण टकराव: ईरान का दावा- अमेरिकी युद्धपोत पर दागीं दो मिसाइलें; अमेरिका ने हमले से किया इनकार

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में जारी सैन्य गतिरोध अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। सोमवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की नौसेना ने दावा किया कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर दो मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी समाचार एजेंसी 'फार्स' के अनुसार, यह कार्रवाई तब की गई जब अमेरिकी जहाज ने ईरानी नौसेना की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया था।

चेतावनी के बाद दो मिसाइल दागी : ईरानी मीडिया का दावा है कि एक अमेरिकी युद्धपोत दक्षिणी बंदरगाह शहर जास्क के पास नियमों को तोड़ते हुए नौकायन कर रहा था। ईरान की नौसेना द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद, उस पर दो मिसाइलें दागी गईं। जिससे अमेरिकी जहाज को वहां से पीछे हटने और भागने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि उनके किसी भी जहाज को मिसाइल नहीं लगी है। वहीं, ईरान ने साफ कर दिया है कि उसकी अनुमति के बिना होर्मुज से किसी भी विदेशी जहाज का गुजरना संभव नहीं होगा और उल्लंघन करने वालों को कड़ा जवाब दिया जाएगा।

ईरान ने खबरों को किया खारिज : एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने ईरानी मीडिया की उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमला हुआ है। अमेरिका का कहना है कि उनके किसी भी जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में खड़ा हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का ऐलान किया था। इस मिशन के तहत सोमवार से अमेरिकी सेना होर्मुज में फंसे दूसरे देशों के जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू कर रही है।

ईरान की सेना की कड़ी चेतावनी : ईरान के मुख्य सैन्य कमान खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने सोमवार को चेतावनी जारी की है कि अगर अमेरिका या किसी भी देश की सेना होर्मुज में घुसने की कोशिश करेगी तो उस पर हमला किया जाएगा।

ईरान ने साफ कर दिया है कि इस समुद्री रास्ते की सुरक्षा उसके हाथों में है और यहां से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरान की सेना से अनुमति लेनी होगी। दरअसल, 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के जवाब में उसने इजरायल-अमेरिका से जुड़े जहाजों के लिए यह रास्ता बंद कर दिया था।

बातचीत फेल और बढ़ा खतरा : गौरतलब है कि 11 और 12 अप्रैल को ईरान और अमेरिका के बीच सुलह की कोशिशें नाकाम रहीं जिससे तनाव और ज्यादा बढ़ गया। बातचीत के विफल होते ही अमेरिका ने होर्मुज पर ईरान के खिलाफ नाकेबंदी लगा दीं। अब डर यह है कि दोनों देशों के बीच की यह आपसी खींचतान एक बड़े युद्ध का रूप ले सकती है।

बलूचिस्तान में हिंसा से टूटी अमेरिकी उम्मीदें: ट्रंप की निवेश योजनाएं अटकी, कई कंपनियां भी कदम खींच रहीं पीछे

इस्लामाबाद , एजेंसी। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने अमेरिका की बड़ी आर्थिक योजनाओं को झटका दे दिया है। पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मुलाकात के बाद जो नई शुरुआत दिखी थी, वह अब जमीन पर कमजोर पड़ती नजर आ रही है। खनिज संपदा से भरपूर इस क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार हमलों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने चीन को टक्कर देने के लिए पाकिस्तान के खनन क्षेत्र में निवेश का जोखिम उठाया था। सितंबर 2025 में दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हुई और 1.3 अरब डॉलर के निवेश का रास्ता खुला। लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी के बढ़ते हमलों ने इन योजनाओं को रोक दिया। जनवरी से लगातार हमलों के कारण अमेरिका अब यहां निवेश करने से पीछे हटता दिख रहा है। बलूचिस्तान में हालात तेजी से बिगड़े हैं। 31 जनवरी को हुए बड़े हमले में करीब 500 लड़ाकों ने 58 लोगों की जान ले ली। इसके बाद से कई हमले हुए, जिनमें सैन्य ठिकानों और नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। इन घटनाओं के कारण विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई कंपनियां अपने कदम पीछे खींच रही हैं। बलूचिस्तान सोने और तांबे के बड़े भंडार के लिए जाना जाता है।

सैन्य कार्रवाई राजनीतिक संकट का समाधान नहीं है: अराघची ने अमेरिका और यूएई को दी चेतावनी

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिन होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों के ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की। अमेरिका के इस मिशन को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है। इसके अलावा ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी देते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई किसी भी राजनीतिक संकट का हल नहीं है। अमेरिका और यूएई को चेतावनी देते हुए अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'होर्मुज की घटनाओं से यह साफ हो गया है कि राजनीतिक संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है। पाकिस्तान की अच्छी कोशिश से बातचीत आगे बढ़ रही है। इसलिए अमेरिका को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि उसके दुश्मन उसे फिर से दलदल में न घसीट लें। संयुक्त अरब अमीरात को भी ऐसा ही करना चाहिए। प्रोजेक्ट फ्रीडम ही प्रोजेक्ट डेडलॉक है।' इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बताने से मना कर दिया कि यूएस और ईरान के बीच हुआ सीजफायर जारी रहेगा या नहीं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि कंजर्वेटिव रेडियो होस्ट ह्यूग हेविट ने जब पूछा कि क्या ईरान के साथ सीजफायर खत्म हो गया है और क्या सोमवार रात से हमले फिर से शुरू हो सकते हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको यह नहीं बता सकता। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने ईरानी सेना को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने स्ट्रेट या फारस की खाड़ी में अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की तो वे धरती से मिट जाएंगे। बाद में इंटरव्यू में उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के साथ युद्ध, मिलिट्री तौर पर, असल में खत्म हो चुका है। वहीं डेनमार्क की शिपिंग और लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक ने सोमवार को कंफर्म किया कि उसका एक जहाज अमेरिकी मिलिट्री प्रोटेक्शन के साथ होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा और उसके सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनी मेर्सक के एक बयान के मुताबिक, फरवरी में जब युद्ध शुरू हुआ, तब अलायंस फेयरफैक्स नाम का यह जहाज फारस की खाड़ी में था और जाने में असमर्थ था। मेर्सक ने कहा कि अमेरिकी सेना ने हाल ही में उनसे संपर्क किया था। इसकी वजह से जहाज को अमेरिकी सेना की सुरक्षा में खाड़ी से बाहर निकलने का मौका मिला। मेर्सक के बयान के आखिर में कहा गया, 'मेर्सक इस ऑपरेशन को मुमकिन बनाने में अमेरिकी सेना के प्रोफेशनलिज्म और असरदार सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा करता है।

ट्रंप ने टैरिफ को अमेरिकी व्यापार नीति का मुख्य टूल बताया, चीन पर साधा निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि टैरिफ अमेरिकी व्यापार नीति का एक मुख्य टूल बना रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि टैरिफ से चीन और दूसरे देशों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का संकेत मिला, जिन्होंने यूएस के बिजनेस को नुकसान पहुंचाया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि सस्ते इंपोर्ट से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस महीने के आखिर में चीन के दौरे पर जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। चीन की यात्रा से पहले उन्होंने कहा, 'चीन और दूसरे देशों के ऐसे प्रोडक्ट बनाने से आपको नुकसान हो रहा है जो उतने अच्छे नहीं हैं, लेकिन उनमें कम पैसे लगते हैं।' उन्होंने तर्क दिया कि टैरिफ इस ट्रेंड को बदलने और रेवेन्यू बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'टैरिफ के इस्तेमाल की वजह से, हमारे पास यह सारा पैसा है।' राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि मौजूदा टैरिफ लेवल शायद काफी नहीं हैं। उन्होंने उन सेक्टर्स की ओर इशारा करते हुए कहा, 'मेरे विचार में टैरिफ सच में काफी ज्यादा नहीं हैं, जिन पर विदेशी कॉम्पिटिशन का लगातार दबाव है। ट्रंप ने कहा कि कंपनियां प्रोडक्शन को अमेरिका में शिफ्ट करके टैरिफ से बच सकती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर वे यहां आकर बिजनेस बनाते हैं तो कोई टैरिफ नहीं है। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग में बड़े स्तर पर सुधार से जोड़ा और कहा, 'हमने अपनी कार इंडस्ट्री खो दी और वे सब वापस आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका-चीन संबंध को कॉम्पिटिटिव बताया, लेकिन दुश्मनी वाला नहीं और कहा, 'हम एआई में चीन से आगे हैं। हमारे बीच फ्रेंडली कॉम्पिटिशन है।' साथ ही, उन्होंने पिछली ट्रेड नीति की आलोचना की और कहा, 'इस देश में हमें दशकों से ठगा गया है। पहले की सरकारें घरेलू उद्योगों को बचाने में नाकाम रही हैं। टैरिफ ने हमारे देश को अमीर बनाया है।' ट्रंप ने फर्नीचर और मैन्युफैक्चरिंग समेत कुछ खास सेक्टर्स पर जोर दिया, जहां उन्होंने कहा कि टैरिफ से प्रोडक्शन को अमेरिका में वापस लाने में मदद मिलेगी।

चीन के बड़े पटाखा प्लांट में भीषण धमाका, 21 लोगों की मौत और 61 घायल

चांग्शा , एजेंसी। सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा प्लांट में बड़े धमाके की जानकारी सामने आई है। चीनी अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस धमाके में 21 लोगों की मौत हो गई और 61 अन्य घायल हो गए। धमाके के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है। चीनी मीडिया के अनुसार, धमाका सोमवार शाम करीब 4:43 बजे हुशेंग पटाखे बनाने और डिस्प्ले वाली कंपनी के प्लांट में हुआ। यह हुनान की राजधानी चांग्शा के प्रांतीय स्तर के शहर लियुयांग में है। बचाव के लिए पांच टीमों में 480 से ज्यादा बचाव दल भेजे गए हैं और तीन बचाव रोबोट भी तैनात किए गए हैं। जिस जगह पर धमाका हुआ है, उसके आसपास दो ब्लैक पाउडर गोदाम भी हैं। इसलिए बचाव दल ने आस-पास के लोगों को इलाके से निकाला और दूसरा हादसा रोकने के लिए एक बफर जोन बना दिया है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक, बचाव दल ने पहले राउंड की खोज के बाद हताहतों की पुष्टि कर दी थी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और दूसरे राउंड की खोज जारी है। इमरजेंसी मैनेजमेंट मंत्रालय ने इमरजेंसी बचाव प्रयासों में मदद के लिए एक्सपर्ट्स को मौके पर भेजा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि कंपनी के इंचार्ज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। बचाव दल को पटाखे के प्लांट के 3 किलोमीटर (1.9 मील) के दायरे में सभी को निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों को रेस्क्यू करने के दौरान दूसरे हादसों को रोकने के लिए इलाके में नमी बनाए रखने जैसे उपाय भी किए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन लोगों को ढूंढने के लिए पूरी कोशिश करने को कहा है जो अभी भी लापता हैं और घायलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी मीडिया ने बताया कि शी ने हादसे की जांच की भी मांग की ताकि जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। लियुयांग शहर पटाखे बनाने के लिए जाना जाता है, रिपोर्ट्स में इसे दुनिया का सबसे बड़ा पटाखे बनाने वाला शहर बताया गया है। चीन में पटाखों की फैक्ट्रियों और दुकानों में धमाकों की घटनाएं पहले भी हुई है और ये अक्सर जानलेवा होते हैं। इससे पहले फरवरी में, हुबेई प्रांत में एक पटाखों की दुकान में हुए धमाके में 12 लोग मारे गए थे।

प्रशासन ने क्या कड़े कदम उठाए : इस भयंकर विस्फोट के बाद भी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। प्लांट के अंदर काले बारूद (ब्लैक पाउडर) के दो बड़े गोदाम मौजूद हैं, जिनसे एक और बड़ा धमाका होने का भारी जोखिम बना हुआ है। इस खतरे को देखते हुए बचाव कमान ने घटनास्थल के 1 किलोमीटर के दायरे को 'कोर रेस्क्यू जोन' (मुख्य बचाव क्षेत्र) और 3 किलोमीटर के दायरे को 'कंट्रोल जोन' (नियंत्रण क्षेत्र) घोषित कर दिया है। एहतियात के तौर पर इस खतरनाक इलाके में रहने वाले सभी स्थानीय निवासियों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। किसी अन्य हादसे को रोकने के लिए बचाव दलों ने पूरी फैक्ट्री के चारों ओर आइसोलेशन बेल्ट और फायरब्रेक बना दिए हैं। इसके साथ ही बचे हुए बारूद के खतरे को खत्म करने के लिए लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

अगले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के लिए महिला उम्मीदवार का चीन ने किया समर्थन, चयन प्रक्रिया शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव के रूप में एक महिला के चुनाव का समर्थन किया है। इसके साथ कहा कि वैश्विक संस्था के नेतृत्व में एक महिला नेता को देखकर बहुत खुशी होगी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्षों के इतिहास में कभी भी किसी महिला नेता ने नेतृत्व नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में अगले प्रमुख के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

दो महिला उम्मीदवार कौन हैं? : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट और संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन सहित दो महिलाएं विश्व के शीर्ष राजनयिक के पद के लिए दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से हैं।

80 साल में एक भी महिला महासचिव नहीं : संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत फू कोंग ने सोमवार को यहां कहा, 'हमें एक महिला महासचिव को देखकर खुशी होगी। 80 साल हो गए हैं, इसलिए अगर हमें एक महिला महासचिव मिल जाए तो चीन को बहुत खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल भी संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। पिछले महीने चारों उम्मीदवारों को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और नागरिक समाज के व्यापक संवादात्मक संवादों के दौरान अगले महासचिव के पद के लिए उनके दृष्टिकोण और संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष पद के लिए वे सबसे अच्छे विकल्प क्यों हैं? इस बारे में सवालों का सामना करना पड़ा।

मजबूत महासचिव की जरूरत- चीन : जब उनसे पूछा गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के पद के लिए चार नामांकित व्यक्तियों में से चीन का कोई पसंदीदा उम्मीदवार है, तो मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी रहे फू ने पिछले सप्ताह कहा, 'अगर होता, तो मैं आपको नहीं बताता।' उन्होंने कहा कि बीजिंग के पास अगले महासचिव के लिए कुछ मानदंड हैं। यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र एक बहुत ही नाजुक मोड़ पर है और एक मजबूत महासचिव की आवश्यकता है , जो वास्तव में बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध हो, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हो और किसी एक महाशक्ति की नीतियों के साथ बहुत अधिक जुड़ा हुआ न हो।

भारतीय अमेरिकियों ने बंगाल में भाजपा की जीत का किया स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय अमेरिकी नेताओं ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक जनादेश' और राज्य में शासन, सुरक्षा और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया है। प्रख्यात भारतीय अमेरिकी डॉ. भरत बराई ने इस परिणाम को 'पश्चिम बंगाल की जनता के लिए एक बड़ी जीत' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने 'राज्य के सभी संसाधनों का उपयोग करके एक माफिया साम्राज्य को बढ़ावा दिया।' उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बलात्कार, आगजनी, हत्या जैसी धमकियों से धमकाया और उन्हें मतदान करने से रोका। उन्होंने यह भी दावा किया कि 'टीएमसी के गुंडों ने ईवीएम पर भाजपा उम्मीदवारों के लिए मतदान बटनों को टेप से ढक दिया और ब्लॉक कर दिया। 'पश्चिम बंगाल में आतंक के शासन' से लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है।

ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) के अध्यक्ष डॉ. अदापा प्रसाद ने बंगाल और विशेष रूप से असम की जनता को भाजपा की बंगाल में ऐतिहासिक और असम में शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने पुडुचेरी में भी बड़ी जीत हासिल की और केरल में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त किए, जबकि तमिलनाडु में सीटों की संख्या में यथास्थिति बनाए रखी।

डॉ. अदापा प्रसाद ने कहा कि इस परिणाम के व्यापक निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा, 'भाजपा की बंगाल में जीत भारत की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बंगाल के बुरे दिन अब समाप्त हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने '50 वर्षों तक बेरोकटोक गुंडागर्दी, जबरन वसूली, हिंसा, घुसपैठ, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, उद्योगों की हानि और अन्य समस्याओं का सामना किया है। ओएफबीजेपी-यूएसए के महासचिव डॉ. वासुदेव पटेल ने राज्य के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'पूर्व में स्थित भारत का यह सीमावर्ती राज्य राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि संगठन संयुक्त राज्य अमेरिका भर में विजय समारोह आयोजित करने की योजना बना रहा है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रनील बसु-रे ने कहा कि दशकों के शासन के कारण 'पूर्ण औद्योगीकरण का पतन, व्यापक बेरोजगारी, बढ़ती गरीबी और बुनियादी संसाधनों की कमी' के साथ-साथ 'अपराध की अत्यधिक मात्रा' भी हुई है, जिसमें एक आपराधिक गिरोह सड़कों पर राज कर रहा है।उन्होंने कहा, 'देशभक्त बंगालियों के 50 वर्षों से अधिक के संघर्ष के बाद बंगाल में भाजपा की शानदार जीत हासिल हुई है।' उन्होंने आगे कहा कि यह क्षण 'बंगाल की गरिमा को पुनः प्राप्त करने और उसकी आध्यात्मिक गौरव को फिर से स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है।'

उन्होंने कहा, 'यह ऐतिहासिक जनादेश जनता के विश्वास, आकांक्षाओं और मजबूत शासन, विकास और सांस्कृतिक गौरव की इच्छा को दर्शाता है। एआईटीसी के अप्रभावी और अक्षम शासन का अंत बंगाल के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।

वेंस का काफिला गुजरते ही चली गोलियां: व्हाइट हाउस के पास एक हथियारबंद व्यक्ति ने की गोलीबारी; लगा लॉक डाउन

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस समय भारी हड़कंप मच गया जब व्हाइट हाउस के पास अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। एक हथियारबंद व्यक्ति और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों के बीच हुई इस भयंकर गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस को सुरक्षा कारणों से कुछ देर के लिए पूरी तरह से लॉक डाउन कर दिया गया। यह घटना वाशिंगटन स्मारक के पास ठीक उस समय हुई जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का काफिला वहां से गुजर रहा था।

सोमवार को अमेरिकी समयानुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे 15वीं स्ट्रीट एसडब्ल्यू और इंडिपेंडेंस एवेन्यू एसडब्ल्यू के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार के साथ देखा गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डिप्टी डायरेक्टर मैथ्यू सी. क्विन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि व्हाइट हाउस परिसर के बाहरी इलाके में लगातार गश्त कर रहे सादे कपड़ों वाले एजेंटों ने एक ऐसे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास बंदूक थी। जब वर्दीधारी अधिकारी उस संदिग्ध व्यक्ति के पास पहुंचे, तो उसने मौके से पैदल भागने की कोशिश की और सीक्रेट सर्विस के एजेंटों पर सीधे गोलियां चला दीं।

क्या सीक्रेट सर्विस की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध को लगी गोली : संदिग्ध व्यक्ति के अचानक हमला करने के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और उस पर गोलियां चलाईं। इस पुलिसिया फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति घायल हो गया, जिसे फौरन हिरासत में लेकर इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारी क्विन ने बताया कि इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति द्वारा चलाई गई एक गोली पास में मौजूद एक नाबालिग को भी लग गई। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि नाबालिग की जान को कोई खतरा नहीं है और उसकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। क्या यह हमला मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर किया गया था? घटना के तुरंत बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि इस हथियारबंद व्यक्ति का असली निशाना आखिर कौन था। क्या वह उपराष्ट्रपति या मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति पर हमला करना चाहता था? इस पर डिप्टी डायरेक्टर क्विन ने स्पष्ट किया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि बंदूकधारी का निशाना कौन था। उन्होंने कहा कि हमारी टीम 24 घंटे इस इलाके में पूरी मुस्तैदी से गश्त करती है। यह हमला मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर निर्देशित था या नहीं, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है और जल्द ही सच सामने आ जाएगा।

गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद लोगों का क्या हाल था : गोलीबारी शुरू होते ही दोपहर करीब 3:45 बजे सीक्रेट सर्विस ने व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन से मीडियाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित ब्रीफिंग रूम में पहुंचा दिया। वरमोंट से व्हाइट हाउस घूमने आए 21 वर्षीय रयान नेफ और उनकी मां अमांडा नेफ ने बताया कि वे तस्वीरें ले रहे थे, तभी उन्होंने उपराष्ट्रपति वेंस का काफिला गुजरते देखा। रयान के मुताबिक, इसके तुरंत बाद पांच-छह गोलियों की तेज आवाजें आईं। इलाके की हर पुलिस और हर गाड़ी उसी दिशा में तेजी से भागने लगी। लोग पूरी तरह से भ्रम और खौफ में थे। घटना के बाद डीसी पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और कई घंटों तक सड़कों को बंद रखा।

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेव द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35-40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे-भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे-भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच-33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च : इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे-भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

एक नजर

फरासू में पीलिया से बच्चे बीमार, अभिभावक चिंतित

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के फरासू में पीलिया तेजी से फैल रहा है। महज चार से पांच दिनों में 15 से 20 बच्चे इससे पीड़ित हो चुके हैं, जबकि कई अन्य बच्चों को जांच के लिए अस्पताल लाया जा रहा है। फरासू निवासी पंकज रावत ने बताया कि ढिकवालगांव पंपिंग पेयजल योजना और अन्य स्रोतों से सप्लाई हो रही है, लेकिन घरों तक दूषित पानी पहुंच रहा है। गांव के करीब पांच बच्चों का इलाज बेस चिकित्सालय में चल रहा है, जबकि अन्य बच्चों के परिजन निजी वाहनों से उन्हें बागवान ले जाकर घरेलू उपचार भी करवा रहे हैं। 15 से 50 बच्चे पीलिया से पीड़ित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस समय पहली बार इतनी बड़ी संख्या में बच्चे पीलिया से ग्रसित हुए हैं। कई घरों में एक-एक बच्चा बीमार है जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। नगर निगम पार्षद सोनू चमोली ने जल संस्थान से पानी की जांच कराने की मांग की। वहीं जल संस्थान के जेई आयुष कंडारी ने बताया कि टीम भेजकर पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी और समस्या मिलने पर तुरंत कार्रवाई होगी। बेस चिकित्सालय की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता गिरी ने बताया कि मौसम परिवर्तन के दौरान दूषित पानी से ऐसी बीमारियां बढ़ती हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को केवल उबला या स्वच्छ पानी देने और बाहर का खाना न खाने की सलाह दी। (एजेंसी)

मंत्री ने सुनी जीबीपीआईईटी के शिक्षाविदों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यालय के जीबीपंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (जीबीपीआईईटी) में तकनीकी शिक्षा मंत्री/प्रशासनिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. धन सिंह रावत ने शिक्षाविदों व कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने संस्थान प्रशासन को नियमों के अनुरूप लंबित पदोन्नतियां व अन्य मामलों में कार्रवाई के निर्देश दिए। बीते मंगलवार देर शाम संस्थान सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने लंबित सीएएस (कॅरिअर एडवांसमेंट स्कीम) के तहत पदोन्नतियां समेत विभिन्न विषय कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत के समक्ष रखीं। डॉ. रावत ने कहा कि जीबीपीआईईटी राज्य का एक महत्वपूर्ण तकनीकी संस्थान है। लिहाजा इसे देश के शीर्ष 10 तकनीकी संस्थानों में स्थापित करने के लक्ष्य के साथ सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने शिक्षकों व कर्मचारियों से संस्थान हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विधायक राजकुमार पोरी, निदेशक प्रो. डॉ. वीके. बंगा, कुल सचिव संदीप कुमार, शिक्षाविद डॉ. मनोज पाठक आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लिए प्रदान की 4.42 करोड़ की धनराशि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद चम्पावत, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ से संबंधित विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु 4.42 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विकास योजनाओं से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करते हुए संबंधित विभागों को कार्यों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट के अंतर्गत मुख्यमंत्री घोषणा भिंगराड़ा मंदिर सील का सौन्दर्यकरण के लिए 74.25 लाख की स्वीकृति के सापेक्ष अवशेष 29.70 लाख, कंकराली टनकपुर से मां पूर्णागिरी धाम तक यात्रा मार्ग में स्ट्रीट लाइट स्थापनाह्न कार्य हेतु 5.00 करोड़ की स्वीकृति के सापेक्ष 2.00 दो करोड़, की वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र पुरोला में न्याय पंचायत मुख्यालय जखोल/फिताड़ी में श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण का समतलीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु 1.43 करोड़ की स्वीकृति के सापेक्ष प्रथम किश्त 10.00 लाख की धनराशि पूर्व में जारी किए जाने के पश्चात् शेष धनराशि 1.33 करोड़ का 60 प्रतिशत 80.06 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा जिला स्तरीय कार्यकारी समिति पिथौरागढ़ के माध्यम से प्राप्त प्रस्ताव तथा राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की पंचम बैठक में अनुमोदित एक जनपद-एक नदी योजना के अंतर्गत जनपद पिथौरागढ़ की गुरघटिया नदी के पुनर्जीवीकरण हेतु 6.59 करोड़ के सापेक्ष प्रथम चरण में 40 प्रतिशत धनराशि 1.32 करोड़ की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिजली गिरने से भेड़ सेवक गंभीर घायल, हायर सेंटर रेफर

उत्तरकाशी। बीते मंगलवार देर शाम रामा सिरांई क्षेत्र के पुसेली जंगल में मूसलाधार बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने से एक भेड़ सेवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले उपजिला चिकित्सालय पुरोला लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर देहरादून रेफर किया गया। पुरोला निवासी घायल लोकेंद्र सिंह पंवार पुत्र नीला सिंह राजकीय भेड़ पालन केंद्र थलकुंडी, कंडियाल गांव में भेड़ सेवक के पद पर तैनात हैं। मंगलवार शाम करीब चार से पांच बजे के बीच लोकेंद्र सिंह पुसेली जंगल में भेड़ चरा रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और क्षेत्र में तेज बारिश, ओलावृष्टि और तेज गर्जना शुरू हो गई। इसी बीच बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उनके साथ मौजूद भेड़ सेवक परीक्षित सिंह पंवार ने तत्काल सुनाली गांव में परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को करीब छह किलोमीटर पैदल डेरिका रोड लाए। वहां से निजी वाहन के माध्यम से उन्हें उपजिला चिकित्सालय पुरोला पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए देहरादून हायर सेंटर रेफर कर दिया। परीक्षित पंवार ने बताया कि बुधवार सुबह घायल को देहरादून ले जाया गया जहां फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है।

बिजली कटौती से कारोबार चौपट, जनता बेहाल

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र में लगातार हो रही अनियमित बिजली कटौती से व्यापारियों में आक्रोश है। दिनभर बिजली गुल रहने से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है वहीं स्टांप, फोटो कॉपी, साइबर कैफे और दुग्ध डेयरी जैसी सेवाएं भी प्रभावित हो रही है। दूरदराज क्षेत्रों से तहसील एवं सरकारी कार्यालयों में काम से आने वाले ग्रामीणों और छात्रों को दस्तावेजों के लिए स्टांप पेपर, खाता-खतौनी व फोटो कॉपी निकलवाने के लिए सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ रहा है।

बिजली बाधित रहने से जरूरी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकित पंवार ने कहा कि विद्युत विभाग की ओर से जारी रोस्टर का पालन नहीं किया जा रहा है जिन दिनों नियमित आपूर्ति होनी चाहिए उन दिनों भी घंटों बिजली काटी जा रही है।

बेटियों को शिक्षित व आत्मनिर्भर बनाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पदमपुर में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी नेहा बेलवाल ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी दी। कहा कि बेटियों को बोझ नहीं समझना चाहिए, बल्कि उन्हें बेटों के समान अधिकार व अवसर मिलने चाहिए, ताकि वे भी अपने भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बना सकें। कार्यक्रम में सुपरवाइजर संतोषी गुसाई ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना और नंदा गौरा योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ समय पर लेने के लिए प्रेरित किया। सुपरवाइजर वसुंधरा नेगी ने गर्भवती महिलाओं व बालिकाओं के स्वास्थ्य व पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान बालिकाओं का वजन लेकर उनके स्वास्थ्य की जांच भी की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया और छः बालिकाओं को उपहार भी दिए गए। धात्री महिलाओं ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवा कर कार्यक्रम को यादगार बनाया। दो धात्री महिलाओं के प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के ऑनलाइन आवेदन भी भरे गए। कार्यक्रम में विमला राणा, बीना कोठारी, अनिता देवी, सतेश्वरी देवी, रानी नेगी, उर्मिला नेगी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पदमपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कन्या जन्मोत्सव केक काटती महिलाएं

सरकार एवं जिला प्रशासन की बेहतर तैयारी लाई रंग, बाबा केदार के हो रहे सुव्यवस्थित दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2026 सुचारु रूप से संचालित हो रही है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगमता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों की तीर्थयात्रियों द्वारा सराहना की जा रही है। यात्रा मार्ग से लेकर धाम परिसर तक पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा एवं दर्शन व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं का यात्रा अनुभव सुखद एवं संतोषजनक बन रहा है।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर विश्वास करें और यात्रा के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें। वैशाली, गाजियाबाद निवासी श्रद्धालु मोनिका वर्मा ने बताया कि पैदल मार्ग से यात्रा करने के दौरान उन्हें हर आवश्यक सुविधा सुलभ रूप से उपलब्ध हुई। कहा कि मार्ग पर पेयजल, खाद्य सामग्री, स्वच्छ शौचालय एवं साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यात्रा से पूर्व उन्हें कुछ भ्रामक सूचनाओं के कारण चिंता थी, लेकिन धाम पहुंचने पर उन्होंने पाया कि प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से की गई हैं। उन्होंने अन्य श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें। अंबाला निवासी श्रद्धालु आकाश ने कहा कि वह प्रतिवर्ष बाबा केदार के दर्शन हेतु आते हैं और इस वर्ष की व्यवस्थाएं पूर्व वर्षों की तुलना में और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित हैं।

राशन कार्ड सत्यापन अभियान तेज, अपात्रों पर होगी सख्त कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देशों के क्रम में जनपद चमोली में राशन कार्डों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के सभी राशन कार्ड धारकों से अपील की है कि वे सत्यापन कार्य में सहयोग करें तथा यदि कोई परिवार अपात्र श्रेणी में आता है, तो वह स्वेच्छा से अपना राशन कार्ड संबंधित कार्यालय ग्राम पंचायत, विकास खंड या पूर्ति कार्यालय में जमा कर दें। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे राज्य में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का सही लाभ दिलाना तथा फर्जी राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं गैस कनेक्शन जैसे मामलों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही परिवार द्वारा दो राज्यों से राशन कार्ड के माध्यम से लाभ लिया जा रहा है। इसी के दृष्टिगत यह सत्यापन अभियान पुनः शुरू किया गया है।

साथ ही भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक 5 वर्ष में राशन कार्डों का पुनः सत्यापन तथा सभी उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी कराया जाना भी अनिवार्य किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि अभियान के सुचारु संचालन हेतु जनपद स्तर पर जिला पूर्ति अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। तहसील स्तर पर संबंधित उपजिलाधिकारी, ग्रामीण क्षेत्रों में खंड विकास अधिकारी तथा शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

छात्रों को मिला परीक्षा केंद्र में संशोधन का मौका

श्रीनगर गढ़वाल : 11 मई से होने वाली सीयूईटी-यूजी 2026 के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय के केंद्र के लिए पोर्टल पुनः खोल दिया गया है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पहले किसी अन्य परीक्षा केंद्र का चयन किया था और अब श्रीनगर में केंद्र पर परीक्षा देना चाहते हैं वह 7 मई तक सीयूईटी पोर्टल पर लॉगिन कर अपनी च्वाइस को पुनः लॉक कर सकते हैं। बता दें कि सीयूईटी यूजी के लिए गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। बावजूद परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के परीक्षा केंद्र दूर-दराज के शहरों में आवंटित कर दिए गए। विवि की ओर से एनटीए को केंद्रों में संशोधन के लिए पत्र भेजा गया था। अब एनटीए की ओर से पोर्टल को खोलकर छात्रों को परीक्षा केंद्र में संशोधन का मौका दिया है। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं ने बताया कि निर्धारित तिथि के बाद पोर्टल बंद हो जाएगा। इसके पश्चात कोई संशोधन या केंद्र परिवर्तन संभव नहीं होगा। (एजेंसी)

बेस अस्पताल के कर्मचारी व अधिकारियों को बताए आग से बचाव के तरीके

कोटद्वार के बेस अस्पताल में आग बुझाने के तरीके सीखते चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी के मौसम में आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए दमकल विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को राजकीय बेस चिकित्सालय में भी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कर्मचारी व अधिकारियों को मॉकड्रिल के माध्यम से आग से बचाव के तरीके बताए गए। दमकल कर्मियों ने मॉकड्रिल कर जानकारी दी। कार्यशाला में चिकित्सकों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों अग्निशमन उपकरणों के उपयोग के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कहा कि प्रत्येक कर्मचारी व अधिकारी को अग्निशमन उपकरणों की जानकारी होनी चाहिए। जिससे एक बड़े हादसे को होने से बचाया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. विजय सिंह ने बताया कि गर्मियों ने आग की घटनाएं तेजी से बढ़ती हैं। ऐसे में जरूरी है कि प्रत्येक कर्मी को आग बुझाने के तरीकों की जानकारी हो। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी महताब अली ने बताया कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती है। इसके तहत विभिन्न संस्थानों में कार्यशाला के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान खुले में कूड़े पर आग लगाकर उसे बुझाने का तरीका भी बताया गया। साथ ही पानी की मदद से किस तरह आग को बुझाया जाता है, इस बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

विकास कार्यों में गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता

डीएम की अध्यक्षता में नाबार्ड आरआईडीएफ परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुयी संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जिला सभागार में नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, लघु सिंचाई, कौशल शिक्षा एवं सेवायोजन, तकनीकी शिक्षा, पशुपालन, मत्स्य तथा उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विभागवार प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धीमी गति से संचालित परियोजनाओं में तेजी लाई जाए तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित कर कार्यों की सतत निगरानी करने तथा जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण एवं आवश्यक अवसंरचना कार्यों की पहचान करने को कहा, ताकि ऐसे प्रस्ताव नाबार्ड के आरआईडीएफ के अंतर्गत प्रेषित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि जिले के समग्र और संतुलित विकास के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। बैठक में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) श्रेयांश जोशी ने जिले में आरआईडीएफ के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की समग्र स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नाबार्ड के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए समयबद्ध रिपोर्टिंग एवं बेहतर कार्यान्वयन की बात कही।

जिलाधिकारी गौरव कुमार बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा स्थगित, जल्द घोषित होगी नई तिथि

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की 17 मई को होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा स्थगित हो गई है। विवि की ओर से परीक्षा के लिए नई तिथि जल्द घोषित की जाएगी। विभिन्न छात्र संगठनों की ओर से इस मामले में की गई मांग पर विवि ने यह निर्णय लिया है। छात्रों ने कहा कि उक्त तिथि पर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाएं भी हैं जिस कारण छात्र किसी एक परीक्षा देने से वंचित हो जाएंगे। बुधवार को कुलसचिव से मिलने पहुंचे छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट, सचिव अनुरोध पुरोहित आदि ने यह समस्या प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि 17 मई को पीएचडी और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा दोनों एक ही दिन है। ऐसे में छात्र असमंजस में हैं कौन सी परीक्षा दें। छात्र हित को देखते हुए तत्काल पीएचडी प्रवेश परीक्षा तिथि में बदलाव किया जाए। उन्होंने पीएचडी प्रवेश परीक्षा में निर्धारित की गई नेगेटिव मार्किंग की व्यवस्था निरस्त करने, सेमेस्टर परीक्षा का समय सुबह सात बजे शुरू करने, शाम को 6 बजे परीक्षा समाप्त करने आदि की मांग की। कहा विवि में परीक्षा देने छात्र दूर-दराज के क्षेत्रों से आते हैं। ऐसे में उन्हें केंद्र पर समय पर पहुंचना और शाम को घर जाने में दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने उक्त समय को बदलने की मांग भी की। इस मौके पर छात्र नेता अमन पंत, पंकज फर्सवाण, शारांश बर्त्वाल, आशीष पंत, गौरव मोहन, आदित्य घिल्डियाल, अमन काला, नीरज पंचोली आदि मौजूद रहे। कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि छात्रों की मांग पर पीएचडी प्रवेश परीक्षा की 17 तारीख की तिथि को स्थगित कर दिया गया।

राइंकॉ काण्डई दशज्यूला में भवन निर्माण का शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : शिक्षा विभाग के अंतर्गत राज्य योजना वर्ष 2025-26 में स्वीकृत राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज काण्डई, दशज्यूला में भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास बुधवार को किया गया। यह शिलान्यास केदारनाथ विधानसभा की विधायक श्रीमती आशा नौटियाल ने किया। इस परियोजना के तहत लगभग 1 करोड़ 75 लाख 49 हजार रुपये की लागत से 05 कक्षा-कक्ष, एक आर्ट एवं क्राफ्ट कक्ष, एक कम्प्यूटर कक्ष तथा एक जीव विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण किया जाएगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और शिक्षा का स्तर और अधिक सुदृढ़ होगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इस निर्माण कार्य से क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और विद्यार्थियों को बेहतर संसाधनों के साथ पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी कुमार चौधरी, जिला पंचायत सदस्य जयवर्धन काण्डपाल, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, हरीश सकलानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर दिया जोर

उत्तरकाशी। गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र के भटवाड़ी में भाजपा की मासिक बैठक हुई। मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने संगठन की आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान को तेज करने और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने पर जोर दिया गया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं भाजपा महिला मोर्चा की गढ़वाल सह संयोजक विनीता रावत ने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर जुड़कर जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों, जनसमस्याओं के समाधान व आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गए। बैठक में कर्मचारी संगठन के पूर्व अध्यक्ष व दर्जाधारी प्रताप पंवार, मंडल प्रभारी हरीश डंगवाल, मंडल अध्यक्ष मनोज रावत, पूर्व सहकारी बैंक अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत उपस्थित रहे।

कमलेश्वर मोहल्ले में लाइन में लगे पांच सौ लोग, 288 को मिले सिलिंडर

श्रीनगर गढ़वाल : नगर के कमलेश्वर बागवान क्षेत्र में दो महीने के लंबे इंतजार के बाद बुधवार को रसोई गैस सिलिंडर की खेप पहुंची। सिलिंडर आने की सूचना पर उपभोक्ता सुबह चार बजे से ही लाइन में खड़े हो गए। स्थिति यह थी कि उजाला होते-होते तक सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के मैदान में करीब 500 लोगों की भीड़ जमा हो गई। मगर सिलिंडर 288 को ही मिल पाए। इस पर लोगों ने आक्रोश जताया। गैस एजेंसी के प्रबंधन ने चार बाद फिर गैस का वाहन आने का आश्वासन दिया। वहीं पार्षद ने चेतावनी दी है कि यदि चार दिन के भीतर दोबारा गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो वे जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

स्थिति ठीक होते ही होम डिलिवरी होगी शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र में इंडेन गैस सिलिंडर की होम डिलिवरी नहीं हो रही है। लोग सिलिंडर बुक कराने कार्यालय में जा रहे हैं लेकिन उनके बुकिंग भी नहीं हो रही है। एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि ऑन स्पॉट ही सारी प्रक्रियाएं होंगी। इससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र में इंडेन गैस एजेंसी के उपभोक्ताओं का बैकलॉग करीब 3000 है।

बुधवार सुबह करीब 9 बजे जब इंडेन गैस एजेंसी का वाहन मैदान में पहुंचा तो महिलाओं और लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। व्यवस्था बनाने के लिए नगर निगम पार्षद सूरज नेगी अपनी टीम विजय, पंकज, बंटी, जगमोहन रावत और गौरव के साथ डटे रहे। इस दौरान स्थानीय लोगों और टीम के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। एजेंसी की गाड़ी में कुल 288 सिलिंडर थे जबकि कतार में 500 से अधिक लोग खड़े थे।

मुख्यमंत्री घोषणाओं को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण पूरा करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री घोषणा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जनहित से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण घोषणाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं, इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि सभी लंबित घोषणाओं की नियमित समीक्षा करते हुए एस्टीमेट तैयार करने, भूमि चयन, कार्यदायी संस्था के निर्धारण तथा वन विभाग से संबंधित लंबित मामलों का निरंतर फॉलोअप सुनिश्चिश्चत किया जाए, ताकि कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों में तेजी लाई जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की जाए। साथ ही, जिन योजनाओं में किसी प्रकार की बाधा आ रही है, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर त्वरित समाधान किया जाए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी ने बताया कि बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा कुल 48 घोषणाएं की गई हैं। इनमें से 29 घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं, 12 अपूर्ण हैं, 6 पर कार्यवाही गतिमान है तथा 1 घोषणा आंशिक रूप से पूर्ण है।

मलबे के ढेर से मांडौ गांव में दहशत

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के नजदीक स्थित मांडो गदेरा आने वाली बरसात में फिर से तबाही मचा सकता है। गदेरे में भारी मात्रा में मलबा और पत्थर अभी भी बिखरे पड़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था ने गदेरे को चैनेलाइज कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली है और मलबा वहीं बिखरा पड़ा है। सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। मांडो गदेरा लंबे समय से बरसाती सीजन में आफत बना है। वर्ष 2021 में गदेरे में भारी उफान के कारण मांडौ गांव सहित ग्रामीणों की खेती को भारी नुकसान पहुंचा था। आज भी ग्रामीणों को नुकसान का मुआवजा नहीं मिला है। कई परिवार सरकार से राहत एवं पुनर्वास की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई उस दिशा में आगे नहीं बढ़ पाई है। गदेरे में सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों में दहशत बनी रहती है। मौजूदा समय में गदेरे में भारी मात्रा में मलबा और पत्थर जमा है। स्थानीय निवासी प्रताप चौहान, इंद्रेश ने आरोप लगाया कि कार्यदायी सिंचाई विभाग को गदेरे की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली लेकिन काम ठीक से नहीं हुआ है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजलवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा क्रुणाल पंड्या

ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर ऑरेंज कैप तालिक के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पांचवें स्थान से हटाया। इसके साथ ही वह केएल राहुल, अभिषेक शर्मा, हाइनरिक क्लासन और वैभव सूर्यवंशी के साथ IPL 2026 में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। सैमसन के इस सीजन 10 पारियों में 402 रन हो गए हैं। उनका औसत 57.42 और स्ट्राइक रेट 167.50 का है। बुधवार रात सनराइजर्स हैदाबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार अब भी 17 विकेट के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उनके बाद अंशुल कम्बोज (चेन्नई सुपर किंग्स, 17 विकेट), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस, 16 विकेट), जोफा आर्चर (राजस्थान रॉयल्स, 15 विकेट) और इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद, 15 विकेट) शामिल हैं। कम्बोज ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अलग-अलग फेज में गेंदबाजी की, लेकिन अपने चार ओवर में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

हार से निराश अक्षर बोले, 10 से 15 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता

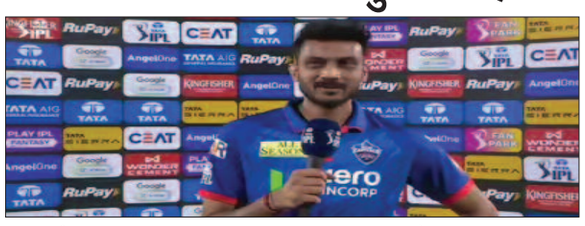

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। अक्षर ने कहा कि अगर हम 10 से 15 रन और बनाते तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। इस मैच में हार से दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम हुई हैं। अक्षर ने कहा कि155 रन का स्कोर बचाव के लिए अच्छा था हालांकि टीम 10-15 रन और बनाती तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा नए बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि गेंद रुककर आ रही थी और कभी नीची तो कभी असामान्य उछाल ले रही थी। हालांकि, उन्होंने सीएसके के बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज क्रीज पर सेट हो जाता है, तो विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर महसूस होने लगता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन से पीछे रह गए।

सैमसन ने धीमी और गेंदबाजों की सहायक पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा बनाए गए सात विकेट पर 155 रन के लक्ष्य को सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा है और वह 10 मैचों में पांचवीं जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को इतने ही मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा है और आठ अंकों के साथ वे सातवें स्थान पर खिसक गए हैं, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी के दौरान कुलदीप यादव की कमी महसूस हुई।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

-बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो तब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), 10 और 15 मई को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मई को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं

हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स , सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमें अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमें 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पक्का कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बेंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरुरी होगा। । कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरुरत है।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें। रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं ।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की ।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे।

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली ।भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर । यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम , अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।

बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 – शुक्रवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

बुमराह से ब्रेक की जरुरत को लेकर बात करें प्रबंधन : बांगड़

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खराब फार्म से सभी हैरान है। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे बुमराह की गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं पर वह विकट नहीं ले पा रहे। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान हुआ है और वह केवल 6 अंक लेकर नौवे स्थान पर है। ऐसे में कहा है कि उन्हें अब आराम दिया जाना चाहिये। वहीं इस मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने टीम प्रबंधन से कहा है कि वह बुमराह से सीधे बात करे और उनसे आराम लेने को लेकर पूछे। उनसे पूछें, क्या वह पूरी तरह से फिट है या फिर उनहें आराम की जरुरत है। अगर वह आराम चाहते हैं तो लें और तरोताजा होकर वापसी करें। उन्होंने जोर दिया कि यह एक ईमानदार बातचीत होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेलने के लिए तैयार हैं ।बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सत्र खराब जाना हो। उन्होंने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच न खेलने का फैसला ले सकते हैं। बांगड़ के अनुसार, बुमराह की विफलता प्रयास की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। बुमराह के लिए यह असामान्य है कि वह पहले दो ओवरों में 31 रन दें। वह पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बॉडी लैंग्वेज से दिखता है कि वह परेशान हैं। बांगड़ ने यह भी कहा कि उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उन्हें दूसरे ओवर में गेंद दी गई और फिर चौथे ओवर में। मेरा मानना है कि अपने सबसे अच्छे गेंदबाज को शुरुआत में ही दो अच्छे ओवर पहला और तीसरा देने चाहिए।

हमारा वर्ल्ड कप होस्ट 'फीफा है, ट्रंप या अमेरिका नहीं', ईरान का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। तेहरान-ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट 'फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका' और उन्होंने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है। अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

ईरानी एफए के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह वैंकूवर में फीफा कांग्रेस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौट आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आव्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आव्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीजा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज़ में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे।

IRGC की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी और यह देश में एक प्रमुख सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति बन गया है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका में इस समूह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फीफा के महासचिव मैटियस ग्राफस्ट्रॉम ने 'असुविधा और निराशा' के लिए खेद व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा और ईरान को 20 मई को ज्यूरिख में उनके वर्ल्ड कप की तैयारियों के बारे में बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

ताज, जो IRGC के एक उच्च पदस्थ अधिकारी रह चुके हैं, ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि वे वर्ल्ड कप में ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाले व्यवहार के बारे में शासी निकाय से आश्वासन मांगेंगे। ताज ने कहा, 'हमें अपनी यात्रा के लिए वहाँ एक गारंटी चाहिए कि उन्हें हमारी व्यवस्था के प्रतीकों - विशेष रूप से आईआरजीसी - का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसी कोई गारंटी मिलती है और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से ली जाती है, तो कनाडा में हुई जैसी घटना फिर कभी नहीं होगी।'

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई के बीच मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे। ईरान के दो मैच लॉस एंजेलिस में होने हैं - 15 जून को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ; इसके बाद 26 जून को सिएटल में उसका मुकाबला मिस्र से होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माकर रूबियो ने पिछले हफ़्ते कहा था कि IRGC से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश में आने की इजाज़त नहीं दी जाएगी।

ताज ने कहा, 'हम वर्ल्ड कप में जा रहे हैं, जिसके लिए हमने क्वालिफ़ाई किया है; और हमारे मेजबान फीफा है - न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका। अगर वे हमारी मेजबानी स्वीकार करते हैं, तो उन्हें यह भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

ऐसा करते हैं, तो जाहिर है, वैसी ही स्थिति पैदा हो सकती है जैसी कनाडा में हुई थी - जहां ऐसी संभावना बन गई थी कि हमें वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए, इस तरह की गारंटी ज़रूर होनी चाहिए ताकि हम पूरी तरह से निश्चिंत होकर वहाँ जा सकें।'

अमेरिका और इजरायल ने फरवरी में ईरान पर हवाई हमले किए थे। 211 सदस्य देशों में से ईरान एकमात्र ऐसा फीफा संघ था जिसका वैंकूवर में हुई फीफा कांग्रेस में कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि ईरान अमेरिका जाएगा और तय कार्यक्रम के अनुसार ही अपने मैच खेलेगा - भले ही मार्च में ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड । स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। ।ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी ।खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है।